उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 10 || अंकः43 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 17 नवंबर 2025

अंदर के पृष्ठ पर

नत्थू लाल सचान के आदर्शों और सिद्धांतों पर लड़ेंगे अधिवक्ता पेंशन की लड़ाईः पं रवीन्द्र शर्मा 7

हार के बाद बोले राहुल गांधी- हम ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके, जो शुरू से निष्पक्ष नहीं था 4

केरल में आरएसएस कार्यकर्ता की खुदकुशी पर बीजेपी में घमासान, टिकट और आरोपों पर नेताओं की सफाई

» बीपीएस न्यूज

केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में शनिवार को आनंद के. थम्पी नामक एक आरएसएस कार्यकर्ता ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, थम्पी आगामी लोकल बॉडी चुनाव में बीजेपी का टिकट न मिलने से परेशान थे।

आत्महत्या से पहले भेजा था व्हाट्सएप मैसेज

त्रिक्कन्नापुरम वार्ड से बीजेपी टिकट पर चुनाव लड़ने की इच्छा रखने वाले थम्पी, पार्टी की कैंडिडेट लिस्ट में अपना नाम न देखकर परेशान हो गए थे। पुलिस ने बताया कि उन्होंने अपने दोस्तों को एक व्हाट्सएप मैसेज भेजा, जिसमें उन्होंने आरएसएस और बीजेपी नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए और आत्महत्या करने की बात कही थी।

थम्पी ने दावा किया कि रेत-तस्करी माफिया से जुड़े कुछ स्थानीय नेताओं के हितों के कारण उन्हें टिकट नहीं दिया गया। जब उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया, तो उनके दोस्तों ने उनसे दूरी बना ली, जिससे वह और भी निराश हो गए। मैसेज मिलने के बाद दोस्त उनके घर पहुंचे और उन्हें अस्पताल ले गए, लेकिन शाम तक उनकी मौत हो गई।

इस घटना पर भाजपा नेताओं ने अलग-अलग प्रतिक्रिया दी है। प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि वह घटना से हैरान हैं और जिला अध्यक्ष से जानकारी ली है। उन्होंने कहा कि थम्पी का नाम शॉर्टलिस्ट में नहीं था, लेकिन हम घटना की जांच करेंगे।केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने घटना को बहुत बुरा बताया, लेकिन कहा कि इसके लिए पार्टी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। इसे लोकल लेवल पर सुलझाना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को शांत रहने और पार्टी की जीत के लिए काम करने की सलाह दी।

कांग्रेस ने एसआईआर पर 18 नवंबर को बुलाई पार्टी की बैठक

12 राज्यों के शीर्ष पदाधिकारी होंगे शामिल

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। कांग्रेस ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की समीक्षा के लिए 18 नवंबर को बैठक बुलाई है। बिहार चुनाव में हार और वोट चोरी के आरोपों के बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता इस बैठक में नतीजों की भी समीक्षा करेंगे। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए कांग्रेस ने 18 नवंबर को 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की समीक्षा बैठक बुलाई है। इस बैठक में प्रभारी, राज्य इकाई प्रमुख, कांग्रेस विधायक दल के नेता और सचिव हिस्सा लेंगे। यह बैठक बिहार चुनाव में पार्टी की हार और वोट चोरी के आरोपों के बीच यह बैठक बुलाई गई है।

बिहार के हालिया चुनाव में एनडीए को ऐतिहासिक जीत मिली। महागठबंधन को केवल 35 सीट पर जीत मिली। वहीं एनडीए ने 202 सीट पर जीत दर्ज की। कांग्रेस ने शनिवार को चुनाव आयोग (ईसी) की भूमिका पर सवाल उठाया। कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी और पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने चुनाव के नतीजों पर चर्चा की।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रभारी, प्रदेश कांग्रेस समिति के प्रमुख, कांग्रेस विधायक दल के नेता और महासचिवों की समीक्षा बैठक 18 नवंबर को इंदिरा भवन में होगी। शनिवार को चुनाव आयोग ने बताया कि नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में 5.99 करोड़ मतदाताओं में से 95 फीसदी से अधिक लोगों को एसआईआर के तहत मतदाता फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं।

चुनाव आयोग के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप) में कुल 48.67 करोड़ मतदाता फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं। इनमें तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव होंगे। असम में भी 2026 में चुनाव होने हैं। लेकिन वहा के लिए एसआईआर की अलग तारीख की घोषणा की जाएगी। एसआईआर का दूसरा चरण चार नवंबर से शुरू हुआ और चार दिसंबर तक चलेगा।

राहुल गांधी ने शुक्रवार को बिहार चुनाव के परिणामों को चौंकाने वाला बताया और कहा कि चुनाव शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक इन परिणामों की गहन समीक्षा करेंगे।

कश्मीरी युवा को सुसाइड बॉम्बर बनाने की साजिश, डॉक्टरों का आतंकी नेटवर्क बेनकाब

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली कार बम धमाके में व्हाइट-कॉलर आतंकी मॉड्यूल का खुलासा हुआ है, जिसमें डॉ. उमर नबी ने कश्मीरी युवक जसीर को सुसाइड बॉम्बर बनने के लिए ब्रेनवॉश किया था। कुलगाम की मस्जिद से भर्ती कर उसे फरीदाबाद ले जाकर कट्टरपंथी बनाया गया, जिससे युवाओं के आतंकी जाल में फंसने की गंभीर चुनौती सामने आई है।

दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार बम धमाके की जांच में आतंकवाद का एक चौंकाने वाला व्हाइट-कॉलर मॉड्यूल सामने आया है। इस ब्लास्ट में मारे गए मुख्य आरोपी डॉ. उमर नबी पर आरोप है कि वह दक्षिण कश्मीर के एक युवक को भर्ती कर उसे आत्मघाती हमलावर (सुसाइड बॉम्बर) बनने के लिए ब्रेनवॉश कर रहा था।जाँच एजेंसियों के मुताबिक, जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद जैसे आतंकी संगठनों से जुड़ा यह व्हाइट-कॉलर मॉड्यूल (जिसमें कथित तौर पर डॉक्टरों का एक समूह शामिल है),

पिछले एक साल से सक्रिय रूप से एक आत्मघाती हमलावर की तलाश कर रहा था।गिरफ्तार सह-आरोपियों (डॉ. अदील राथर और डॉ. मुजफ्फर गनई) ने पुलिस को बताया कि उमर नबी, जो खुद धमाके में मारा गया था, कट्टर कट्टरपंथी था।वह अपने आतंकी ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए एक सुसाइड बॉम्बर की जरूरत को लेकर लगातार कोशिश कर रहा था।

इन गिरफ्तारियों से मिली जानकारी के आधार पर, श्रीनगर पुलिस ने दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड से जसीर उर्फ दानिश नाम के एक युवक को हिरासत में लिया है।

पॉलिटिकल साइंस में बैचलर की डिग्री रखने वाले जसीर ने पुलिस को बताया कि वह पिछले साल कुलगाम की एक मस्जिद में इस व्हाइट-कॉलर मॉड्यूल से पहली बार मिला था।

इसके बाद, मॉड्यूल के सदस्यों (डॉक्टरों) ने उसे हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी के पास एक किराए के मकान में ले जाकर ब्रेनवॉश करने की कोशिश की, ताकि वह आतंकी ऑपरेशन को अंजाम दे सके।

अयोध्याःराम मंदिर के अंदर वीवीआईपी भी नहीं ले जा सकेंगे फोन, दिल्ली ब्लास्ट के बाद बदले नियम

» चप्पे-चप्पे पर तीसरी आंख का पहरा, हर गतिविधि देख लेगी पुलिस

» बीपीएस न्यूज

अयोध्या । राम मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करते हुए ट्रस्ट व प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। ध्वजारोहण समारोह में आने वाले किसी भी मेहमान को मोबाइल फोन लेकर मंदिर परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। शुरुआत में मेहमानों को मोबाइल साथ ले जाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बढ़ाने की सिफारिश

की। इसके बाद ट्रस्ट और प्रशासन ने संयुक्त समीक्षा के बाद मोबाइल पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है।

25 नवंबर को राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह आयोजित है। समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल समेत आठ हजार मेहमान शामिल होंगे। मेहमानों को भेजे गए आमंत्रण पत्र में बताया गया था कि 25 नवंबर को सभी को सुबह आठ से 10 बजे के भीतर मंदिर में प्रवेश करना होगा। वे अपने साथ मोबाइल रख सकते हैं, लेकिन अब इस निर्णय को बदल दिया गया है।

मेहमानों को खाली हाथ समारोह के लिए आना होगा। परिसर में उनके भोजन, जलपान की व्यवस्था ट्रस्ट की ओर से की जाएगी।समारोह को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। राम जन्मभूमि परिसर में अतिरिक्त मेटल डिटेक्टर, डॉग स्क्वॉड और सर्विलांस बढ़ाई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार बड़े आयोजन, बढ़ती भीड़ और राष्ट्रव्यापी सतर्कता को देखते हुए यह कदम आवश्यक था। मंदिर के आसपास 24म7 निगरानी के लिए नए कैमरे, हाईटेक कंट्रोल रूम और अतिरिक्त सुरक्षा कर्मी तैनात किए जा रहे हैं। प्रशासन ने सभी आगंतुकों से अनुरोध किया है कि वे मोबाइल साथ न लाकर सहयोग करें, ताकि मंदिर परिसर में सुरक्षा, अनुशासन और व्यवस्था सुचारु बनी रहे। ध्वजारोहण कार्यक्रम में किसी भी व्यक्ति की हर गतिविधि पुलिस आसानी से देख लेगी।

फॉरेंसिक सबूतों से पुष्टि, उमर नबी ही चला रहा था विस्फोट वाली कार

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार धमाके की जांच में एक बड़ा खुलासा हुआ है। फॉरेंसिक सबूतों से यह पुष्टि हो गई है कि जिस हुंडई आई20 कार में धमाका हुआ, उसे उमर नबी ही चला रहा था।

ब्लास्ट में 12 लोगों की मौत हो गई थी और कार पूरी तरह तबाह हो गई थी। जाँचकर्ताओं ने कार के मलबे से अहम सुराग जुटाए। फॉरेंसिक टीमों को ड्राइवर सीट के पास एक्सेलरेटर के पास से पैर का एक जला हुआ निचला हिस्सा मिला था।बुधवार को एम्स में किए गए डीएनए टेस्ट में यह हिस्सा उमर नबी की माँ के सैंपल से मैच हो गया। इससे यह वैज्ञानिक रूप से पक्का हो गया कि धमाके के समय उमर ही कार चला रहा था।पुलिस को कार के पास से एक काला स्पोर्ट्स शू भी मिला, जो सीसीटीवी फुटेज में उमर द्वारा पहने गए जूते से मेल खाता है। इसके अलावा, मौके से उमर की पहनी हुई शर्ट के टुकड़े भी मिले, जिसका रंग सीसीटीवी रिकॉर्डिंग में दिख रहे रंग से मिल रहा था।जांच सूत्रों ने बताया, ये सबूत बहुत ज़रूरी हैं क्योंकि ये वैज्ञानिक रूप से साबित करते हैं ।

अक्तूबर में भारत ने रूस से तेल खरीद पर ढाई अरब यूरो खर्च किए, यूरोपीय थिंक टैंक का दावा

» नए प्रतिबंधों से नवंबर में पड़ सकता है असर

» भारत, रूस का दूसरा सबसे बड़ा तेल खरीददार

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। पश्चिमी प्रतिबंधों और यूरोपीय मांग में कमी के कारण रूस की सरकार ने अपने तेल की कीमतों में भारी छूट दी, जिसके बाद भारत ने छूट का फायदा उठाते हुए रूस से भारी मात्रा में तेल खरीदा।

एक यूरोपीय थिंक टैंक ने दावा किया है कि अक्तूबर में भारत ने रूस से तेल खरीद पर 2.5 अरब यूरो खर्च किए हैं। भारत रूसी तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है। इससे पहले सितंबर में भारत ने रूस से तेल खरीद पर ढाई अरब यूरो ही खर्च किए थे। साफ है कि अमेरिकी दबाव के बावजूद भारत ने रूस से तेल खरीद बंद नहीं की है। हालांकि अब नए प्रतिबंधों के बाद इसमें बदलाव दिख सकता है। यूरोपीय थिंकटैंक

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के अनुसार, अक्तूबर में भारत, चीन के बाद रूसी जीवाश्म ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बना रहा। हालांकि 22 अक्टूबर को, अमेरिका ने यूक्रेन युद्ध के वित्तपोषण को रोकने के लिए रूस की दो सबसे बड़ी तेल उत्पादक कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इन प्रतिबंधों के चलते रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड जैसी कंपनियों ने फिलहाल रूसी तेल का आयात रोक दिया है।नए प्रतिबंधों का असर कितना व्यापक हो सकता है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रूस ने अक्तूबर में छह करोड़ बैरल कच्चा तेल भारत भेजा, जिसमें रोसनेफ्ट और लुकोइल का कुल मिलाकर योगदान करीब साढ़े चार करोड़ बैरल रहा। सीआरईए ने अपनी मासिक ट्रैकिंग रिपोर्ट में कहा, भारत अक्तूबर में भी रूसी जीवाश्म ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बना रहा, जिसने कुल 3.1 अरब यूरो का आयात किया। भारत की कुल खरीद में कच्चे तेल का योगदान 81 प्रतिशत (2.5 बिलियन यूरो) रहा, उसके बाद कोयला 11 प्रतिशत (3.5 करोड़ यूरो) और तेल उत्पाद 7 प्रतिशत (2.2 करोड़ यूरो) रहा।पारंपरिक रूप से पश्चिम एशियाई देशों के तेल पर निर्भर रहने वाले भारत ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से रूसी तेल आयात में उल्लेखनीय वृद्धि की है। पश्चिमी प्रतिबंधों और यूरोपीय मांग में कमी के कारण रूस की सरकार ने अपने तेल की कीमतों में भारी छूट दी।

अखिलेश यादव का बीजेपी पर वार बोले- उत्तर प्रदेश में होगा हिसाब!

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि हर चुनाव, चाहे जीत हो या हार, सबक सिखाता है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए तैयार है। समाजवादी पार्टी सुप्रीमो की यह टिप्पणी बिहार में महागठबंधन की करारी हार के एक दिन बाद आई है, जहाँ एनडीए ने विधानसभा चुनावों में भारी जीत हासिल की। एएनआई से बात करते हुए, यादव ने भाजपा की जीत के पैमाने और महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए अपनाई गई रणनीति पर भी सवाल उठाए।यादव ने कहा कि चुनाव हमें जीत और हार से सबक सिखाते हैं। भाजपा कहने लगी है कि उसे महिलाओं से ज़्यादा वोट मिले हैं। आप कब तक 10,000 रुपये देंगे? आप कब तक सम्मान की ज़िंदगी देंगे? उन्होंने 202 सीटें जीतीं। हम इसे पचा नहीं पा रहे हैं। हमें इस मानक को पार करना होगा। बिहार की जीत उत्तर प्रदेश की जीत की बराबरी नहीं कर सकती। हम उत्तर प्रदेश के लिए तैयार हैं। इस बीच, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने बिहार चुनावों

में भारी जीत दर्ज की।एनडीए ने 243 में से 202 सीटें हासिल कीं, जिसमें भाजपा 89 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। एनडीए- भाजपा- 89 सीटें, जेडी(यू)- 85 सीटें, एलजेपी (आरवी)- 19 सीटें, हम (एस)- 5 सीटें और आरएलएम- 4 सीटें, जबकि महागठबंधन- आरजेडी- 25 सीटें, कांग्रेस- 6 सीटें, सीपीआई(एमएल)(एल)- 2 सीटें, सीपीआई(एम)- 1 सीट। आईआईपी ने 1 सीट और एआईएमआईएम ने 5 सीटें जीतीं। एनडीए की जीत का श्रेय नीतीश कुमार की कल्याणकारी योजनाओं को दिया जाता है, जिसमें महिला रोजगार योजना भी शामिल है, जिसके तहत 1.25 करोड़ महिलाओं को 10,000 रुपये प्रदान किए गए।

अपनी बात....

संपादकीय .....

धमाके के सुलगते सवाल

सुरक्षा की दृष्टि से चाकचौबंद मानी जाने वाली देश की राजधानी में लाल किले के पास हुए भीषण धमाके ने कई ज्वलंत सवालों को जन्म दिया है। सुरक्षा व्यवस्था के छिद्रों को पाटने की जरूरत के साथ चेताया है कि हमारी जरा सी चूक से आतंकवादियों को फिर से पांव जमाने का मौका मिल सकता है। अब जब मामले की जांच देश की शीर्ष खुफिया एजेंसियां कर रही हैं तो जांच के निष्कर्ष ही हकीकत बताएंगे। लेकिन धमाके का स्तर और उससे हुई जनधन की हानि चिंता बढ़ाने वाली है। निश्चित ही यह घटना एक बड़ी साजिश की ओर इशारा करती है। सवाल यह भी उठता है कि चाक–चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच अपराधी कैसे इतनी बड़ी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ संवेदनशील इलाके में ले जाने में सफल हुए। प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार जम्मू–कश्मीर के रास्ते उत्तर प्रदेश व हरियाणा तक फैले कश्मीरी डॉक्टरों के एक समूह ने घटना को अंजाम दिया। इस घटनाक्रम ने पूरे देश को चौंकाया कि समाज में दूसरे भगवान का दर्जा पाने वाले डॉक्टर कैसे लोगों के चिथड़े उड़ाने वाले कृत्य को अंजाम दे सकते हैं? उनकी उस शपथ का क्या हुआ जो डॉक्टर पढ़ाई पूरी करने के बाद लोगों की जीवन रक्षा के लिए लेते हैं? अब तक यह मान्यता रही है कि आतंकवादी संगठनों से वे लोग ही जुड़ते हैं, जो कम पढ़े–लिखे होते हैं और विध्वंसकारी ताकतों के बहकावे में आकर आतंकवाद की राह में उतर जाते हैं। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से इस आतंक के स्लीपर सैल में डॉक्टरों के समूह का शामिल होना बेहद चिंता का विषय है। जो समाज के उस विश्वास को तोड़ता है कि डॉक्टर हमेशा जीवन देने वाला ही होता है। भविष्य में यह खतरनाक प्रवृत्ति अन्य व्हाइट क़ॉलर जॉब करने वाले समूह को भी घातक रास्ते पर ले जा सकती है। ऐसे में हमें लाल किले के निकट घटी घटना को गंभीरता से लेना चाहिए और आसन्न खतरे को महसूस भी करना चाहिए।

बहरहाल, लाल किले के निकट की घटना एक आतंकी साजिश थी या बड़ी साजिश को अंजाम देने निकले अपराधियों की चूक से समय से पहले घटी घटना, ये एनआईए की जांच से ही पता चल सकेगा। लेकिन जो क्षति घटनास्थल पर हुई है वह किसी आतंकी घटना से कम तो नहीं है। बहरहाल, राष्ट्रीय राजधानी में हुई घटना के चलते भविष्य के खतरे के मद्देनजर सभी दृष्टिकोणों से मामले की जांच की जानी चाहिए। शायद इसी कारण से दिल्ली पुलिस ने यूएपीए, विस्फोटक अधिनियम व अन्य कठोर धाराओं में मामला दर्ज करके जांच का दायरा बढ़ाया गया है। लेकिन इस घटनाक्रम के बाद सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता के प्रश्न भी हमारे सामने हैं कि कैसे अपराधी इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ राजधानी में ले जाने में सफल हुए। जिसके चलते भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिये सभी जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। याद रहे कि अतीत में भी कई बार दिल्ली को आतंक से दहलाने की कोशिशें हुई हैं। हमें उन घटनाओं से भी सबक लेने की जरूरत है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आतंकवाद के मामले में जरा सी चूक भी व्यापक क्षति का सबब बन सकती है। देश को अस्थिर करने की किसी भी साजिश को विफल बनाने और आम लोगों का जीवन सुरक्षित बनाने के लिये सख्त कदम उठाने की जरूरत है। इस नये टेरर मॉड्यूल के मद्देनजर भी निगरानी का दायरा बढ़ाने की जरूरत है। पता लगाने की जरूरत है कि कैसे अपराधी इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ वाया फरीदाबाद दिल्ली पहुंचाने में सक्षम बने। वैसे हाल के वर्षों में देश के भीतर आतंकी घटनाओं पर लगभग विराम लगा हुआ था, लेकिन हालिया घटना ने हमारी चिंताओं को बढ़ाया ही है। हमें आतंकवाद को बढ़ावा देने के हर प्रयास को सख्ती से कुचलने की जरूरत है। सजग और सतर्क खुफिया तंत्र इसमें निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

चुनावी 'पर्यटन' पर लगाम लगाने का समय

ललित गर्ग

देश के जनप्रतिनिधित्व कानून के मुताबिक, आपको केवल वहीं बतौर मतदाता पंजीकरण का अधिकार है जहां के आप 'सामान्य रूप से निवासी' हैं व वहीं रहने का इरादा रखते हैं। यह मूल्यांकन तथ्य आधारित है। नियमानुसार, यदि कोई व्यक्ति आजीविका के लिए अस्थाई तौर पर स्थानांतरित हो तो उसका वोट सूची से नहीं हटना चाहिये।आरोप सामने आए हैं कि दिल्ली, हरियाणा और अन्य राज्यों से बिहार में हज़ारों मतदाता पंजीकरण कराने और वोट डालने आए। इसका व्यापक रूप से मशहूर हुआ उदाहरण दिल्ली विश्वविद्यालय के एक प्रोफ़ेसर का है, जिन्होंने कथित तौर पर दिल्ली की मतदाता सूची से अपना नाम हटवाया और बिहार में मतदान करने के लिए वहां अपना नाम दर्ज करा लिया। अगर आरोप सही हैं, तो यह रिवायत गैरकानूनी है।

भारत का चुनावी कानून इस बारे में स्पष्ट व सरल रेखा खींचता है ः आप केवल वहीं पंजीकरण करा सकते हैं जहां आप 'सामान्य रूप से निवासी' हैं। घर का मालिक होना, अपने पैतृक गांव की यादें ताज़ा करना या चुनाव से पहले कुछ समय वहां रुकना, आपकी योग्यता नहीं बनता। सामान्य निवास का मतलब है, आप वास्तव में कहां रहते हैं। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 19 के तहत, कोई व्यक्ति केवल उसी निर्वाचन क्षेत्र में नामांकन कराने का हकदार है जहां वह 'सामान्य रूप से निवासी' है। धारा 17 और 18 दो गैर–समझौताकारी शर्तें जोड़ती हैं ः आप एक से ज्यादा निर्वाचन क्षेत्र में पंजीकृत नहीं हो सकते, और आप एक ही निर्वाचन क्षेत्र में एक से अधिक बार पंजीकृत नहीं हो सकते। धारा 20 स्पष्ट करती है कि 'सामान्यतः निवासी' का क्या अर्थ है और, महत्वपूर्ण यह, कि स्पष्ट करती है कि केवल संपत्ति का स्वामित्व होने पर सामान्य निवास का दावा नहीं बन जाता।सामान्य निवास एक तथ्य–आधारित, निरंतर रहने का साक्षात परीक्षण है – जहां आप आदतन रहते हैं और रहने का इरादा रखते हैं; अस्थायी अनुपस्थिति इसे विराम नहीं देती। अंत में, धारा 31 वोटर सूची से नाम हटाने के संबंध में झूठे विवरण (मसलन, नया वोटर पंजीकरण दाखिल करते समय मौजूदा नामांकन छिपाना) को आपराधिक जुर्म बनाती है, जिसके तहत एक वर्ष तक कारावास, या जुर्माना, या दोनों दंड का प्रावधान है।

हालांकि संहिता में 'छह माह के नियम' का उल्लेख नहीं, परीक्षण सामान्य निवास से किया जाता है, जिसका मूल्यांकन तथ्यों के आधार पर किया जाता है ङ्कन कि यहां–वहां की तारीखों के हिसाब से । दूसरा, काम या यात्रा के वास्ते अस्थाई अनुपस्थिति आपके सामान्य पते पर बनी वोट से वंचित नहीं करती; आप इसे इसलिए नहीं खोते कि आप कुछ हफ़्तों के लिए बाहर थे, और न ही इसलिए पा सकते हैं कि आप मतदान से ऐन पहले पहुंचे थे। भारत के चुनाव आयोग ने हमेशा से 'सामान्य रूप से निवासी' की व्याख्या छह महीने अवधि को आधार बनाकर की। यह निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) द्वारा उपयोग किए जाने वाले परिचालन प्रारूप में दिखाई देता है, जब वे नाम हटाने से पहले कारण बताओ नोटिस जारी करते हैं।ईआरओ संहिता पुस्तक में ऐसे मामलों के लिए बाकायदा एक मॉडल नोटिस शामिल है, जब कोई व्यक्ति स्थानांतरित हुआ प्रतीत होता हो- 'चूंकि, अधोहस्ताक्षरी को सूचित किया गया है कि आप पिछले छह माह से अधिक से वोटर सूची में दिए गए अपने सामान्य निवास स्थान से अनुपस्थित पाए गए हैं। इसलिए, माना जाता है कि आप निर्वाचन क्षेत्र में उपर्युक्त पते पर सामान्य रूप से निवासी नहीं रहे' ।यदि मतदाता बसों से लाए गये, कमजोर दावों पर वोटर लिस्ट में शामिल कर लिए और भविष्य में फिर अपनी वोट दिल्ली या हरियाणा में स्थानांतरित करने का इरादा रखते हैं, तो यह प्रवास नहीं; गलत प्रतिनिधित्व है। यह निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधित्व के मूल उद्देश्य को विफल कर देता है, जिसका उद्देश्य उन लोगों की जनादेश को प्रतिबिंबित करना है जो सामान्यतः वहां के समाज में रहते हैं – वहां के स्कूल, अस्पताल, जलापूर्ति, सड़कों और पुलिस व्यवस्था का प्रयोग करते हैं – और जो स्थानीय शासन के फैसले भुगतते हैं।इसका हल श्रमिकों और छात्रों के लिए वोट नामांकन कठिन बनाना नहीं। इसका उद्देश्य असल विस्थापित लोगों को पैंतरेबाज विस्थापितों से अलग करना है, और जहां धोखाधड़ी स्पष्ट हो, वहां दृढ़ कदम उठाना है। इसके पांच व्यावहारिक चरण हैं–पहला, कानून पहले से ही किसी व्यक्ति के सामान्य निवासी न रहने पर पूछताछ करने और नाम हटाने की अनुमति देता है – एक नोटिस जारी करने और सुनवाई के बाद। उपरांत, बूथ–स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) पड़ोसियों के बयान दर्ज करे, रिहायश की पुष्टि करे और हस्ताक्षरित रिपोर्ट प्रस्तुत करे; ईआरओ को हर मामले पर अपने दिमाग से विचार करना चाहिए। दूसरा, अंतर राज्यीय डुप्लीकेशन ः ईआरओ–नेट को ऐसे कॉन्फिगर करना कि व्यक्ति द्वारा हाल में किसी अन्य राज्य में दाखिल नामांकन फॉर्म 6 आवेदन को खुद–ब–खुद चिह्नित कर परखा जा सके; ऐसे मामले स्वीकार करने से पहले मजबूत प्रमाण (हालिया किराया समझौता, रोजगार/शिक्षा प्रमाण पत्र, उपयोगिता बिल) लिए जाएं। जहां शक अधिक हो,वहां यह कोई बाधा न होकर भरोसा कायम रखने का एक कदम है। तीसरे, आपराधिक निवारक का प्रयोग करें – कभी कभार, लेकिन स्पष्टतया। जानबूझकर गलत घोषणा ('मैं कहीं और नामांकित नहीं') के साथ फॉर्म 6 भरना अधिनियम की धारा 31 के तहत अपराध है। चुनिंदा अभियोजन हज़ार चेतावनियों से ज्यादा प्रभावी होंगे। इसका उद्देश्य सामूहिक दंड नहीं;यह जानबूझकर की गई गलतबयानी के स्पष्ट परिणाम है।चौथा, चुनाव बाद ऑडिट किया जाए। मतदान के तीन माह बाद संवेदनशील क्षेत्रों में 'नए वोटर्स' का यहां–वहां से नमूना उठाया जाए।

चुनाव की तस्वीर बदल जाती है। उनके आते ही भाजपा जितने लगती हैं

भाजपा की तगड़ी चुनावी रणनीति के आगे बिहार में जातिवाद हुआ पस्त

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

बिहार में एनडीए की बम्पर जीत हो चुकी है। हम सबने जीत का जश्न भी मना लिया। यह जीत उन्हें नहीं पच रही जिन्हें जातिय समीकरण पर यक़ीन था। आज से मात्र छह महीने पहले की स्थिति यह थी कि बतौर सोशल मिडिया और कुछ वाचाल बदतमीज महिला प्रवक्ताओं के जानिब, तेजस्वी सरकार बनाते हुए दिख रहे थे। बिहार की राजनीति की समझ रखने वाले हर व्यक्ति को पता है कि मनु स्मृति जलाने वालों के साथ कोई हिंदू कभी खड़ा नहीं होता और वहीं हुआ। तेजस्वी के पास एक फिक्स वोट बैंक था जो किसी भी स्थिति में उनका साथ नहीं छोड़ता पर उसने भी साथ छोड़ दिया । तेजश्वी के चुनाव को न विकास के दावों से मतलब है, न जंगलराज की बातें ही उन्हें प्रभावित करती हैं। उन्हें किसी भी मूल्य पर जातिवादी सरकार चाहिये।

पर उनकी संख्या थोड़ी कम है। बस इतनी ही कम है कि वे सरकार बनाने से चार कदम पीछे जा कर रुक जाते हैं। भाजपा और जदयू गठबंधन की बात करें तो उनका वोटबैंक भी लगभग फिक्स है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भाजपा अब ओबीसी की भरोसेमंद पार्टी हो गयी है। गैर यादव ओबीसी लगभग नब्बे फीसदी उसके साथ है। इनमें से कोई भी टूट कर उधर जाने को तैयार नहीं। लेकिन यह बात सपा और कांग्रेस को समझ नहीं आएगी। छह महीने पहले तक बिहार के सवर्ण आरक्षण के नियमों के चलते टूटते दिख रहे थे। अब इसका कारण लगातार बीस साल की सत्ता से हुआ मोहभंग हो, या अनेक स्थानों पर मिलता तिरस्कार हो, लेकिन दूरी तो बन ही गयी थी। बिहार के गाँव देहात का व्यक्ति इस मोहभंग को स्पष्ट देख रहा था। अचानक बिहार में इंट्री होती है उस व्यक्ति की, जो अपने विपक्षी को सत्ता की कुर्सी तक ना पहुँचने देने के लिए हर बार अपनी समूची ताकत झोंक देता देता है।

वह व्यक्ति जननायक राहुल गांधी है। वे आते हैं, तो चुनाव की तस्वीर बदल जाती है। उनके आते ही भाजपा जितने लगती हैं, और उनके उट पटांग बयान आते हैं। उनकी बातों से पता चलता है कि देश में होने वाली सारी दिक्कतों की जड़ में मोदी ही हैं, और वही असली लड़ाई खत्म, जनता मोदी को मौका देकर बाजी पलट देती है। बिहार में बचे खुचे काम में राहुल की मदद की है राजद की दो उन दो मुंहफट महिला प्रवक्ताओं ने, जिन्होंने अपने हर डिबेट में केवल और केवल सवर्णों से लड़ाई लड़ी, मनु स्मृति जलाई और गला फाड़ गालियां बकी । इनकी योजना शायद यह रही कि ऐसा करने से ओबीसी वर्ग उनके साथ चला जायेगा। हालांकि मैं यह कभी नहीं समझ पाता कि वे ऐसी उम्मीद कर भी क्यों लेते हैं? बिहार से लेकर केंद्र तक की सत्ता अब ओबीसी के हाथों में है, फिर आप बैकवर्ड कार्ड खेल कर क्या पा लेंगे ? खैर! कुल मिला कर बात यह कि यदि यूपी में योगी सरकार पुनः तीसरी बार लौटती है, तो उन्हें सबसे पहले मिठाई राहुल जी के यहाँ भेजनी चाहिए। उनकी कृपा के बिना यह सम्भव नहीं था। बाकी अजीत अंजुम की वाल से पढ़िए की भाजपा कैसे जीतती है ः–

बीजेपी ऐसे लड़ती है चुनाव 25 अक्टूबर को बक्सर के एक होटल में मैं अपनी टीम के साथ डिनर कर रहा था . दूसरी टेबल पर बीजेपी का फटका डाले कुछ नेता टाइप के लोग बैठे थे। उनमें से एक सज्जन बार –बार मेरी तरफ़ देख रहे थे। मैं भी उन्हें पहचानने की कोशिश कर रहा था। तभी वो मेरे पास आए और बोले –मैं सतीश गौतम , अलीगढ़ से बीजेपी का सांसद हूं . मैंने पूछा –आप यहां ?

उन्होंने कहा ङ्क मैं एक महीने से बक्सर में हूं। इस बार हम बक्सर जीतेंगे। संक्षिप्त बातचीत के बाद वो अपनी सीट पर चले गए। मैं सोचने लगा कि बीजेपी कैसे चुनाव लड़ती है , इसका नमूना ये है कि अलीगढ़ का एक सांसद कई लोगों के साथ बक्सर में कैंप करके बैठा है . ज़ाहिर है और भी बहुत से लोग होंगे। बक्सर आख़िर जीत ही गई बीजेपी।

दृश्य –2

अगले दिन वहां से आरा होते हुए पटना लौट रहा था तो सड़क के किनारे झुग्गी बस्तियों मे कुछ लोग बीजेपी के पर्चे बांटते दिखे। तभी मेरी नज़र यूपी बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष और योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह पर पड़ी। मैंने थोड़ा आगे जाकर गाड़ी रोकी और पलटकर देखने गया कि वाक़ई स्वतंत्र देव ही हैं कि कोई और है ..पता चला कि स्वतंत्र देव कुछ लोगों के साथ सड़क के किनारे दुकानदारों और बस्ती वालों से बात करते चल रहे थे. जरा सोचिए ! यूपी के एक बड़ा नेता सड़क के किनारे कुछ कार्यकर्ताओं के साथ धूल फांकता हुआ प्रचार कर रहा था. कोई कैमरा नहीं। कोई पब्लिसिटी नहीं,कोई रील नहीं।

दृश्य ङ्क 3

पहले दौर के चुनाव के बाद मैं किशनगंज के दफ्तरी पैलेस होटल के बाहर गाड़ी से सामान निकाल रहा था , तभी एक सज्जन आकर मिले। सूरत के कारोबारी के रुप में अपना परिचय दिया और कहा कि मैं कुछ दिनों तक तेघरा में तैनात था। वहां हम लोगों ने रजनीश कुमार की जीत के लिए दिन –रात काम किया है। गुजराती सज्जन ने पूरा हिसाब किताब समझाया कि कैसे रजनीश कुमार को 110000 से ज्यादा वोट मिलेंगे और काफी मार्जिन से जीतेंगे। उन्होंने अपना नंबर दिया और दावा किया कि नतीजों के दिन आप चाहें तो फ़ोन कर लीजिएगा . अभी देख रहा हूं कि रजनीश कुमार 112000 वोट पाकर 35 हज़ार वोट से जीत गए हैं। सीपीआई के मौजूदा विधायक चुनाव हार गए हैं। उन्होंने कहा कि अब हम किशनगंज जिले में काम करने आ गए हैं। उन्होंने बड़े उत्साह के साथ ये भी बताया कि कैसे गुजरात के बहुत से लोग अलग– अलग इलाकों में आकर महीने भर से डटे हैं। ऐसे न जाने कितने लोग बीजेपी के लिए महीने –दो महीने से बिहार में काम कर रहे थे। दर्जन भर मुख्यमंत्री , दर्जनों कैबिनेट मंत्री , दो सौ से ज्यादा सांसद और अलग अलग राज्यों से आए हजारों लोग बिहार में डटे थे।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

डॉ. शाहीन की महिला विंग में कानपुर की 90 महिलाएं, मुजम्मिल के संपर्क में आने से मिला लाभ

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सुरक्षा एजेंसियों के हाथ लगीं डॉ. शाहीन की यूपी की तकरीरों के वीडियो उसका छिपा चेहरा उजागर करने वाले हैं। पता चला कि सीधी और शांत दिखने वाली डॉ. शाहीन के शब्द जहर उगलते हैं। उसके आडियो भ्रमित करने में कुछ समय ही लेते हैं। उसने परिवार के सभी सदस्यों को जेहादी बनाया।डॉ. शाहीन मोबाइल पर वीडियो भेजकर तो कभी आडियो भेजकर ब्रेनवॉश करती। एजेंसी को डॉ. शाहीन के नेटवर्क से जुड़ी कई महिलाएं मिली, जिन्होंने बताया कि डॉ. शाहीन महिलाओं से बात करते महिला होने का फायदा उठाती तो पुरुषों से बात करके विपरीत के कारण खुद को जोड़ती। डॉ. शाहीन को पश्चिमी यूपी के साथ उन्नाव, लखनऊ, फतेहपुर, प्रयागराज, कानपुर देहात, कन्नौज समेत अन्य जिलों में नेटवर्क फैलाने की जिम्मेदारी थी। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार डॉ. शाहीन की महिला विंग में कानपुर की 90 महिलाएं होने की बात सामने आई है। वहीं मुजम्मिल के संपर्क में आने से डॉ. शाहीन को काफी लाभ मिला है। उसी के संपर्क में आने के बाद वह मुजम्मिल के सहपाठी डॉ. आरिफ से मिली।यही कारण है कि दोनों काफी करीब आ गए और आरिफ शाहीन की जिम्मेदारी भी निभाने लगा। एक ही पेशे से जुड़े होने के कारण मेलमिलाप में भी दिक्कत नहीं आई। उनके बीच व्हाट्सएप कॉल और चैटिंग भी होने लगी थी। शाहीन के पूर्व पति डॉ.जफर हयात की बात से भी स्पष्ट हुआ कि वह शांत और सरल दिखने वाली थी, लेकन उसकी हशरतें सातवें आसमान पर थीं। वह यूरोपियन देशों में बसने का दबाव डालती थी। एक दिन अचानक शाहीन पति व दोनों बच्चों को भी छोड़कर चली गई। कुछ ही दिनों में अपने शातिर अंदाज के कारण विख्यात हुई डॉ. शाहीन आखिर कौन है और कहां से चलकर मुजम्मिल तक पहुंची। शाहीन ने लखनऊ के एक सरकारी स्कूल से 12वीं तक की शिक्षा ली। इसके बाद सीपीएमटी क्वालीफाई कर 1996 में प्रयागराज के मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस एडमिशन लिया। 2002 में पढ़ाई और इंटर्नशिप पूरी की। वह कॉलेज कैंपस के गर्ल्स हॉस्टल में रहती थी।शुरुआत से ही उसका अपने साथियों से बहुत अधिक मेलजोल नहीं रहा। एमबीबीएस के बाद फार्माकोलॉजी में एमडी की डिग्री हासिल की।

दिल्ली लाल किला धमाका : दो महीने पहले हुई थी डॉ. आरिफ की सगाई, जम्मू पुलिस में कार्यरत है पिता

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। दिल्ली के लालकिले के पास आतंकी वारदात के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने डाक्टरों की आतंकी कंपनी को डी-कोड किया है द्य इस कड़ी में डॉ. शाहीन की गिरफ्तारी के बाद कानपुर हृदय रोग संस्थान के डॉ. आरिफ को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।डॉ. आरिफ अशोकनगर में अपने साथी डॉ. अभिषेक के साथ फ्लैट में रहते थे द्य पूछताछ में मिले ब्योरे के मुताबिक फ्लैट मालिक कन्हैया लाल ने जानकारी दी कि चार महीने पहले डॉ. अभिषेक ने उनसे 27 हज़ार रुपए मासिक किराये पर फ्लैट लिया था द्य एक महीने पहले डॉ. आरिफ भी यहां उनके साथ बगल के कमरे में रहने लगे द्य उनकी आईडी चेक करने के बाद ही उन्होंने उन्हें यहां रहने की इज़ाज़त दी थी, जो जम्मू - कश्मीर के पते पर थी। यह भी बताया कि कल देर रात कुछ लोग डॉ. आरिफ के कमरे की तलाशी लेने आए थे, लेकिन उनके बेटे ने डॉ. आरिफ से फ़ोन पर बात करने के बाद ही उनके कमरे का ताला खोला था द्य वे लोग एक घंटा कमरे में ठहरे और फिर चले गए थे, उन्हें नहीं पता कि इस दौरान उन्होंने क्या किया द्य डॉ. अभिषेक ने सिर्फ इतना कहा कि डॉ. आरिफ उनके बगल के कमरे में रहते थे द्य वह क्या करते थे, किससे क्या बात करते थे, उन्हें कुछ नहीं पता। उधर जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग नाग में डॉ. आरिफ के घर जांच टीम पहुंची और पूछताछ की द्य पूछताछ में बताया जाता है आरिफ चार भाई-बहन हैं और परिवार वहां का मूल निवासी है द्य मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरिफ को दिल्ली ब्लास्ट के सिलसिले में पूछताछ के लिए हिरासत में लिए जाने के बाद उनका परिवार हतप्रभ और सदमे में हैद्य वे इससे अपने को बिल्कुल अनजान बता रहे हैं । यह भी पता लगा कि दो महीने पहले ही आरिफ की सगाई हुई थी और शीघ्र ही निकाह होने वाला था द्य उसके पिता जम्मू में पुलिस विभाग में कार्यरत बताए जा रहे हैं द्य आरिफ की घरवालों से बात होती रहती थी ।

प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को रोकेगा आईआईटी कानपुर का अद्वय

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्लास्टिक से होने वाले नुकसान को रोकने और इसे उपयोगी बनाने की दिशा में अब आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिक काम करेंगे। संस्थान ने पर्नो रिकार्ड इंडिया फाउंडेशन के साथ मिलकर अद्वय - द प्लास्टिक सर्कुलैरिटी इनोवेशन लॉन्चपैड की शुरुआत की है। इस तकनीक से न केवल प्लास्टिक के दुष्प्रभावों रुकेंगे बल्कि इसका व्यवसायिक उपयोगी भी किया जा सकेगा। बुधवार को संस्थान में इसके लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्लास्टिक का समाधान खोजने के लिए आईआईटी कानपुर ने देशभर से 10 स्टार्टअप को आमंत्रित किया गया है। संस्थान इन स्टार्टअप को न केवल मेंटरशिप बल्कि 20 लाख रुपये तक का फंड भी देगा।

संस्थान के निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने कहा कि इससे सस्टेनेबिलिटी तथा नवाचार आधारित समाधान मिलेगा। पर्यावरण से जुड़ी गंभीर चुनौतियों का भी समाधान होगा। इसका उद्देश्य प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, रीसाइक्लिंग और मूल्य पुनर्प्राप्ति के लिए स्केलेबल और व्यावसायिक रूप से उपयोगी तकनीक विकसित करना है।

मुख्य अतिथि नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने कहा कि भविष्य में प्रभावी अपशिष्ट को अलग करने और उसको संसाधनों में बदलने जैसी उन्नत तकनीकी भारत में विकसित हों इसके लिए अभी से प्रयास जरूरी हैं। अद्वय के तहत अभी तक पांच स्टार्टअप जुड़े हैं जिसमें इवोक्सिया लैब्स, जुविरन इनोवेशंस,

मुशलूप, पविंग प्लस और स्वच्छ एआई टेक्नोलॉजिस आदि हैं।

पर्नो रिकार्ड इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट गगनदीप सिंह सेठी ने कहा कि अद्वय प्लेटफॉर्म उद्योग और अकादमिक जगत को एक साथ लाकर प्लास्टिक के जीवनचक्र को पुनर्परिभाषित करने का प्रयास है।

स्टार्टअप इंक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर के प्रभारी प्रो. दीपू फिलिप ने कहा कि यह पहल प्लास्टिक अपशिष्ट की चुनौती को सतत औद्योगिक विकास के अवसर में बदलने का प्रयास है।

प्रदेश में सबसे ठंडी रही 13 नवंबर की रात, हिमालयी हवाओं की निरंतरता ने गिराया तापमान

कानपुर। गुरुवार की रात प्रदेश में सबसे ठंडी रही है। भारतीय मौसम केंद्र ने इस संबंध में रिपोर्ट जारी की है। हिमालयी ठंडक लेकर कानपुर परिक्षेत्र में आ रहीं उत्तर पश्चिमी हवाओं की निरंतरता ने रात का तापमान गिराया है। 13 नवंबर को न्यूनतम तापमान ने 12 साल का रिकार्ड तोड़ा है। सीएसए की मौसम वेधशाला में न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री रिकार्ड किया गया। इसके पहले 13 नवंबर वर्ष 2013 में न्यूनतम तापमान 7.7 डिग्री पर गया था। उसके बाद यह न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री से अधिक रहा है।

मौसम विज्ञानियों का कहना है कि हवा की निरंतरता से प्रदूषण हल्का सा घटा और आसमान साफ है। इससे रात को ठंड बढ़ गई। हालांकि गुरुवार दोपहर धूप निकलने से अधिकतम तापमान सामान्य औसत के लगभग बराबर रहा है। कानपुर के बाद इटावा का न्यूनतम तापमान सबसे कम 9.2 डिग्री रहा।

कानपुर: मुठभेड़ में शातिर चोर गिरफ्तार, पैर में लगी गोली, दो फरार साथियों की तलाश जारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। महाराजपुर ओम ज्वैलर्स से 33 लाख के जेवर चुराने वाला आरोपी गुरुवार तड़के पुलिस की घेराबंदी में फंस गया। बचकर भाग निकलने के लिए चोर ने फायरिंग की, जवाबी कार्रवाई में उसके पैसे में गोली लगी। पुलिस के हत्थे चढ़े बदमाश ने बताया कि चोरी का माल कैंट के रहने वाले युवक के जरिए हरबंश मोहाल में ज्वैलर्स को बेचा था। पुलिस ने उन दोनों को भी गिरफ्तार किया है।

कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर अंडरपास के समीप भोलेंद्र सोनी की ओम ज्वैलर्स है। बीती 31 अक्टूबर की रात चोरों ने यहां से 33 लाख का जेवर व 65 हजार रुपये पार कर ले गए थे। अगले दिन सुबह दुकान खोलने पहुंचे भोलेंद्र को शटर के ताले टूटे मिले तो सन्न रह गए। सूचना पाकर पुलिस ने जांच की और आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले। जिसमें तीन चोर बाइक से जाते दिखे। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस ने घटना के 12 दिन बाद गुरुवार तड़के सरगना गुलफाम खान को महुआगांव जाने वाले रास्ते पर घेर लिया।गुलफाम ने भागने के प्रयास में पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि गैंग के सदस्य चोरी करने के पहले रेकी करते थे। जिस इलाके में चोरी हुई थी, वहां छह ज्वैलरी शॉप है। चोरों ने भोलेंद्र सोनी की दुकान की तीन दिन तक रेकी की थी। भोलेंद्र की दुकान इसलिए चुनी, क्योंकि उसकी दुकान में ग्राहकों की भीड़ अधिक रहती थी।डीसीपी के अनुसार पकड़ा गया गुलफाम ने बताया कि चोरी के बाद कैंट का रहने वाला अमान से जेवर बेचने के लिए संपर्क किया था। अमान ने हरबंश मोहाल निवासी ज्वैलर्स सत्यम से मुलाकात कराई। उसे ही जेवर बेचे गए। डीसीपी ने बताया कि सत्यम पहले भी चोरी का माल खरीदने में जेल जा चुका है। पुलिस ने उन दोनों को भी गिरफ्तार किया है। उनके पास से तमंचा, कारतूस, बिछिया, पायल, मंगलसूत्र, 100 ग्राम चांदी और एक हजार रुपेय मिले हैं। गुलफाम के खिलाफ चकेरी और महाराजपुर में चार मुकदमे दर्ज हैं।

25 मिनट में समेट ले गए थे 33 लाख का माल

डीसीपी के अनुसार देर रात 3.20 बजे बाइक सवार तीन नकाबपोश चोर ज्वैलर्स की दुकान पहुंचे। चोरों ने ताला तोड़ा और लोहे की रॉड से शटर टेढ़ा किया। दो शातिर दुकान में घुसे और एक बाहर खड़ा रहा। 3.45 बजे तक माल समेट कर भाग निकले।

मोतीझील में ऑल इंडिया ऑल ब्रीड्स चैम्पियनशिप डॉग शो

मोतीझील में सुंदर व दुर्लभ नस्लों के श्वान होंगे आकर्षण का केंद्र, साथ ही होगा नि:शुल्क टीकाकरण व पंजीकरण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर में इस सप्ताहांत पशु प्रेमियों के लिए खास आयोजन होने जा रहा है। कानपुर नगर निगम और कानपुर केनल वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आगामी शनिवार, 15 नवम्बर 2025 को मोतीझील मैदान में भव्य ऑल इंडिया ऑल ब्रीड्स चैम्पियनशिप डॉग शो का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा।

देशभर से आई सुंदर, प्रशिक्षित और दुर्लभ नस्लों के श्वान इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस अवसर पर कानपुर की महापौर प्रमिला पांडे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। विजेता श्वानों को ट्रॉफी, पदक और केनल क्लब ऑफ इंडिया की ओर से प्रमाणपत्र (Certificate of Merit) प्रदान किए जाएंगे।कार्यक्रम के दौरान नगर निगम की ओर से सभी श्वानों, पालतू और निराश्रित दोनों के लिए नि:शुल्क एंटीरेबीज़ टीकाकरण एवं स्वास्थ्य परीक्षण की विशेष व्यवस्था की गई है। वहीं, नागरिकों के लिए पालतू श्वानों का ऑन-द-स्पॉट पंजीकरण भी किया जाएगा। इसके लिए श्वान मालिकों को अपने आधार कार्ड के साथ श्वान लाना अनिवार्य होगा।पंजीकृत श्वान मालिकों को नि:शुल्क गिफ्ट पैक दिए जाएंगे, जिनमें डॉग फ़ूड, डीवॉर्मिंग दवाएँ और आपातकालीन औषधि किट शामिल होंगी। इसके साथ ही नगर निगम द्वारा बेघर और असहाय श्वानों के लिए डॉग मैट्रेस (Dog Mattresses) भी एनजीओ और पशु प्रेमी संगठनों के सहयोग से वितरित किए जाएंगे।सीवीओ डॉ आरके निरंजन के अनुसार, यह आयोजन पशु कल्याण, मानवीय संवेदना और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने का प्रयास है। मोतीझील में होने वाला यह शो मनोरंजन के साथ जागरूकता का अनोखा संगम बनने जा रहा है, जिसमें शहरवासी अपने परिवारों के साथ बड़ी संख्या में शामिल हो सकते हैं।

बाकरगंज बाजार में लगी भीषण आग लगभग 100 से अधिक दुकानें जलकर हुई खाक

» बीपीएस न्यूज/आशीष शर्मा

कानपुर। बाबू पुरवा थाना अंतर्गत बाकरगंज बाजार में बुधवार तड़के भीषण आग लग गई। थोड़े ही समय में आज ने भयानक रूप ले लिया। आग की लपटे और धुएं का गुब्बार काफी दूर से देखा गया। बाजार में करीब 300 से अधिक किराना, कपड़ा, जूता, चप्पल आदि की दुकानें हैं। सुबह करीब 5:00 बाबूपुरवा पुलिस ने कंट्रोल रूम को आग लगने की सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंची।

आज पर काबू न होने पर मीरपुर, लाटूश रोड, किदवई नगर, सहित अन्य स्टेशनों की गाड़ियां भी मौके पर बुलाई गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद लगभग 3 घंटे में आज पर काबू पाया। आग इतनी भयानक थी कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों में पानी खत्म होने पर कई बार साउथ एक्स मॉल से पानी भरकर लाया गया। सी एफ ओ ने बताया कि आग में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया। बाकरगंज बाजार के दुकानदारों ने बताया कि 20 वर्षों में आठवीं बार बाजार में आग लगी है। इससे पहले वर्ष 2017 में भी भीषण आग लगने के कारण व्यापारियों का भारी नुकसान हुआ था। इस अग्निकांड हादसे में कारोबारी में बहुत ही आक्रोश व्याप्त है। बताया जाता है कि बाकरगंज बाजार लगभग 100 वर्षों से भी अधिक पुराना है। और बाबू पुरवा निवासी जुनैद अंसारी इसका मालिकाना हक रखते हैं। दुकानदारों की प्रशासन से मांग है, कि उन्हें जल्द से जल्द पुनर्निर्माण कर टीन शेड और टट्टर की जगह पक्की दुकान बनाने के साथ उचित मुआवजा दिलाया जाए । आग लगने से नुकसान उठाने वाले दुकानदारों में सुरेश गुप्ता, अमर गुप्ता, डेविड, अजय, दीपक, अनूप, सदाशिव, नदीम, इमरान, मुन्ना, आसिफ आदि सैकड़ो दुकानदार सम्मिलित हैं।

किदवईनगर में सीएम ग्रिड रोड निर्माण में मनमानी, काम बंद कराया, किया प्रदर्शन

कानपुर। किदवईनगर में सीएम ग्रिड रोड निर्माण में मनमानी से आजिज पार्षद सहित इलाकाई लोगों ने के-ब्लाक में काम बंद करा कर प्रदर्शन किया। नगर निगम, जलकल और जल निगम के अभियंताओं को मौके पर बुलाया।

उनसे इस रोड में डाली गई सीवर लाइन को आसपास की सड़कों की सीवर लाइन से भी जोड़ने की मांग की। ऐसा न होने से वहां दीपावली के पहले से घरों के बाहर गंदा पानी भरने की शिकायत की। धमकी दी कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी, तब तक वे इस योजना का काम नहीं होने देंगे। आंदोलन की भी धमकी दी।नगर निगम सीएम ग्रिड योजना के तहत किदवईनगर के-ब्लाक में अलंकार गेस्ट हाउस चौराहे से साइड नंबर-वन, मार्बल मार्केट होते हुए बाबाकुटी चौराहे तक चार-लेन की सड़क, डिवाइडर और सड़क के दोनों तरफ सीवर लाइन, नाला, यूटिलिटी डक्ट बनवा रहा है। पर यह कार्य करते समय आसपास पांच सड़कों से जुड़ी सीवर लाइनें तोड़ दीं, पर उन्हें बिछाई जा रही नई सीवर लाइन से नहीं जोड़ा। उन्हीं के माध्यम से वहां के मकानों का गंदा पानी बहता था।इस वजह से आसपास के सैकड़ों मकानों के गंदे पानी की सीवर लाइन से निकासी ठप हो गई। वहां गंदा पानी भर रहा है।

गेमिंग एप के जरिए डॉ. आरिफ और आतंकी डॉ. उमर की होती थी बात

कॉर्डियोलॉजी में फैकल्टी छात्रों का विजिलेंस वेरिफिकेशन भी होगा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जांच एजेंसियों को दिल्ली विस्फोट के संदिग्ध डॉ. आरिफ मीर के एप्पल टैबलेट की जांच में, विस्फोट में मारे गए डॉ. उमर से गेमिंग एप के चैट के जरिए बातचीत होने के प्रमाण मिले हैं। साथ ही, उनके व्हाट्सएप में देश के नामी अस्पतालों के डॉक्टरों वाले कई ग्रुप भी मिले हैं, जिससे जांच का दायरा और बढ़ गया है।कानपुर कार्डियोलॉजी के डॉ. आरिफ मीर की दिल्ली विस्फोट में मारे गए डॉ. उमर से गेमिंग एप के जरिये बातचीत होती थी। यह जानकारी जांच एजेंसियों को उसके एप्पल के टैबलेट की जांच के बाद हुई। डॉ. आरिफ के वॉट्सएप में कई ग्रुप भी मिले हैं, जिनमें देश के नामी सरकारी और निजी अस्पतालों के डॉक्टर जुड़े हुए हैं।

सूत्रों के मुताबिक, एनआईए, एटीएस और यूपी एसटीएफ की विशेष टीम ने डॉ. आरिफ मीर को उठाने के साथ ही उसके कमरे से टैबलेट और दो मोबाइल भी कब्जे में लिए थे। एक मोबाइल डॉ. आरिफ के साथ पहले ही मिल गया था। तीन मोबाइल में से एक की-पैड वाला मोबाइल है।

कई की व्यक्तिगत चैट और वाइस कॉल भी

सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसियों को डॉ. आरिफ मीर के टैबलेट में कई गेमिंग एप हैं, जिसमें डॉ. उमर के साथ बातचीत होने के प्रमाण मिले हैं। इस एप से जुड़े हुए लोगों की तलाश की जा रही है। डॉ. आरिफ के वॉट्सएप नंबर में कई ग्रुप मिले हैं।

इसमें देश के नामी अस्पतालों के डॉक्टरों के नंबर हैं। कई की व्यक्तिगत चैट और वाइस कॉल भी है। टीम ने उन अस्पतालों से भी जानकारी जुटा रही है।

सभी डॉक्टरों, रेजीडेंट और कर्मियों का डाटा ले गई जांच एजेंसी

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के सभी डॉक्टरों, रेजीडेंट और कर्मचारियों का डाटा जांच एजेंसी ले गई है। जांच एजेंसी ने उन फैकल्टी की जानकारी जुटाई जो बिना सूचना दिए मेडिकल कॉलेज को छोड़कर चले गए। टीम को कॉलेज की ओर से आठ ऐसे फैकल्टी की जानकारी दी गई, जिन्होंने 2006 या इसके बाद मेडिकल कॉलेज ज्वाइन किया और बाद में बिना जानकारी दिए छोड़कर चले गए।

इन डॉक्टरों को 2021 में शासन ने डॉ. शाहीन के साथ बर्खास्त भी कर दिया था।

टीम का जोर इनकी अधिक से अधिक जानकारी जुटाने में रहा। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज से 55 क्लर्क सहित 275 कर्मचारी, 240 फैकल्टी, 525 रेजीडेंट, करीब 1200 एमबीबीएस स्टूडेंट की जानकारी टीम को कॉलेज प्रबंधन ने दी है। टीम ने इनके नाम, पिता का नाम, पता और मोबाइल नंबर लिए हैं।

कार्डियोलाजी में भी निदेशक प्रो. राकेश वर्मा की ओर से सभी फैकल्टी, सीनियर, जूनियर इंटर्न की जानकारी जुटाई जा रही है। इसके लिए शुक्रवार को निदेशक की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी बनाई गई। इसमें डॉ. उमेश्वर पांडेय, डॉ. नीरज, डॉ. माधुरी और सीएमएस डॉ. ज्ञानेंद्र शामिल हैं। कमेटी अपने स्तर से छात्रों के प्रपत्रों की जांच करेगी। इसके बाद पुलिस वेरिफिकेशन और फिर

दिनेश शर्मा ने विपक्ष पर हमला बोला, कहा- इनकी शिकायतों का जिन्न अभी तक शांत होने का नाम नहीं ले रहा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा शनिवार को कानपुर पहुंचे और मीडिया से बातचीत में विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव परिणामों के बाद विपक्ष अभी भी हार के कारण तलाशने में व्यस्त है, जबकि शिकायत दर्ज कराने के कई अवसर उनके पास पहले से मौजूद थे। राहुल गांधी पर टिप्पणी करते हुए शर्मा ने कहा कि राहुल व्यक्तिगत रूप से अच्छे इंसान हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रीय राजनीति के लिए जरूरी गुण अभी भी उनमें दिखाई नहीं देते। उनके अनुसार, राहुल के पास अब केवल पारिवारिक दायरे में आगे बढ़ने की गुंजाइश बची है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मतदान हो चुका, नतीजे भी सामने आ चुके, लेकिन विपक्ष की शिकायतों का जिन्न अभी तक शांत होने का नाम नहीं ले रहा। शर्मा ने कहा कि कभी पीडीए का जिन्न जागता है, तो कभी चुनाव आयोग पर सवाल उठाए जाते हैं।सांसद ने दावा किया कि संविधान की किताब लेकर घूमकर भ्रम फैलाने वालों को बिहार की जनता ने करारा जवाब दिया है और यही फैसला देश की राजनीतिक दिशा तय करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए ने बिहार में दोहरा शतक लगाया है, जबकि कांग्रेस और उसके सहयोगी लगातार जमीन खोते जा रहे हैं।

भूमाफिया नेगी की पत्नी पहुंची सीपी कार्यालय तो दूसरे पक्ष ने भी खोला मोर्चा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर।रावतपुर के केशवपुरम में भूमाफिया गजेंद्र सिंह नेगी के गेस्ट हाउस पर कब्जे के बाद उसकी पत्नी प्रीति ने शनिवार को सीपी कार्यालय में न्याय की गुहार लगाई। थाना पुलिस पर सुनवाई न करने का आरोप लगाया। डीसीपी क्राइम ने जांच का आश्वासन दिया है।गजेंद्र नेगी की पत्नी ने अधिकारी से कहा कि पुलिस की शह पर उनके गेस्ट हाउस पर कब्जा किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी विवेक गुप्ता 100 से अधिक लोगों के साथ गेस्ट हाउस में घुसा। विरोध पर उनके और देवर सुमित को पीटा। सवाल उठाया कि यदि उसके पास कोर्ट का कोई आदेश था तो उसे पुलिस और प्रशासन को सूचना देने के बाद आगे की कार्रवाई करनी चाहिए थी। हालांकि, उन लोगों ने ऐसा नहीं किया।

आरोप लगाया कि देवर सुमित शिकायत करने थाने गया तो उसे वहां बैठा लिया गया। घटना के सबूत मिटाने के लिए गेस्ट हाउस के सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर तोड़ दिए गए। वहीं, दूसरी तरफ कब्जा लेने गए व्यापारी विवेक गुप्ता ने शनिवार को प्रेसवार्ता कर अपना पक्ष रखा। कहा कि भूमाफिया ने 43 लोगों को ठगा है। उन्होंने माफिया गजेंद्र सिंह नेगी मुक्ति मोर्चा बनाने का दावा किया। न्याय और सुरक्षा की मांग की। व्यापारी विवेक ने बताया कि फ्लैट बनाकर लोगों से ठगी की है। सबको इंसाफ मिलना चाहिए। इस मौके पर साधना सचान, योगेश सिंह, कार्तिक पांडेय आदि पीड़ित मौजूद रहे।

तेज रफ्तार ट्रक ने ट्राला में मारी टक्कर, ट्रक ड्राइवर की मौत

रनिया के टोरंटो पंप के पास देर रात हुआ हादसा, खलासी गंभीर

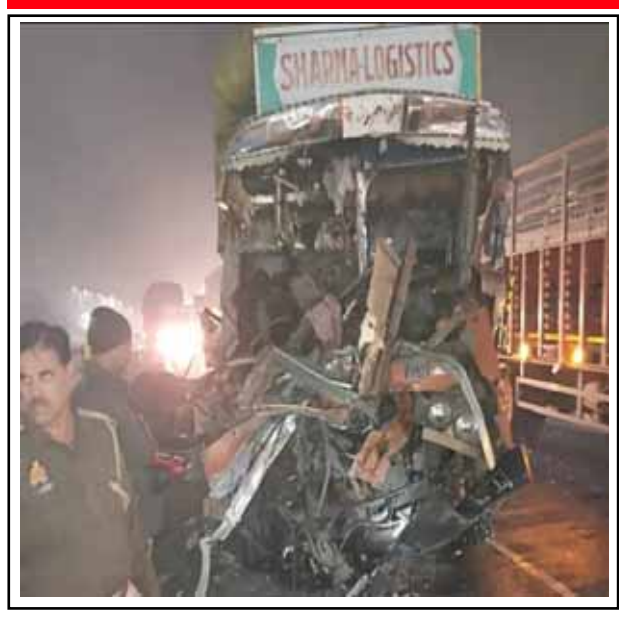

» बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। रनिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने हाईवे पर अफरा-तफरी मचा दी। टोरंटो पंप के पास कानपुर से अकबरपुर की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रही टेलर गाड़ी को लगभग रात लगभग 11:30 बजे पीछे से ज़ोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और चालक व परिचालक दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक सुरेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। गंभीर हालत में ट्रक चालक आशीष पुत्र वीरेंद्र, निवासी सिभोली, थाना महाराजपुर, कानपुर नगर को एंबुलेंस से जिला अस्पताल अकबरपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ट्रक का परिचालक सुमित पुत्र राजेश, निवासी रामपुर का फिलहाल जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। टक्कर में दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर हाईवे पर फैल गए थे। पुलिस ने क्रेन की मदद से वाहनों को हटवाकर रात में ही मार्ग को साफ कराया, जिसके बाद हाईवे पर यातायात बहाल हो गया। रनिया थाना प्रभारी शिवनारायण सिंह ने बताया कि किसी भी तरह की कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं है।

रोटावेटर से कटकर किशोर की दर्दनाक मौत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना के अटिया रायपुर में ट्रैक्टर के रोटावेटर में चढ़ते समय पैर फिसलने से किशोर की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रसूलाबाद थाना क्षेत्र अटिया रायपुर निवासी वंश 14 पुत्र करन सिंह अपने घर से 500 मीटर दूर ट्रैक्टर से हो रही खेत की जुताई को देख रहा था। इस दौरान वह ट्रैक्टर के रोटावेटर में चढने लगा। लेकिन ट्रैक्टर चला रहा उसका परिवार का भाई नहीं देख पाया। इसी दौरान रोटावेटर में चढ़ते समय वंश का अचानक पैर फिसलने से वह उसकी चपेट में आ गया। जिससे वह बुरी तरह से उस रोटावेटर से कट गया और घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वंश कहिंजरी में स्थित जनता इंटर कॉलेज में हाईस्कूल का छात्र था। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की।

सामूहिक विवाह समारोह का किया गया आयोजन, रथ पर सवार बैंड बाजे के साथ निकले 11 दूल्हे

कानपुर। जे के कॉलोनी वेलफेयर सेंट्रल जाजमऊ मे 11 दूल्हे एक साथ घोडी पर सवार होकर बैंड-बाजे के साथ निकले तो लोग देखते रह गये लोग। मौका था ओम जन सेवा संस्थान द्वारा सर्वजातीय सामूहिक विवाह का गाजे बाजे के साथ बारात पार्षद कैलाश पांडेय और शैलेश बाजपेई की देख रेख मे पंचवटी लॉन ग्रेटर कैलाश से निकाली और जे के कॉलोनी वेलफेयर सेंटर पहुंची। बारात सबसे पहले स्वागत द्वार पर पार्षद कैलाश पांडे, शैलेन्द्र गुप्ता, मनोज शर्मा, धर्मेंद्र चौरसिया व ओम जन सेवा संस्थान की टीम और कन्या पक्ष के लोगों ने वर पक्ष का भव्य स्वागत माल्यार्पण कर किया। जहां पर विधि विधान से सभी कन्याओं का विवाह पंडित रवि शंकर शुक्ल (लल्लू पंडित) ने सम्पन्न कराया।जयमाल के बाद मंडपों में सभी का विवाह सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि बाबा सिद्धनाथ विराजमान थे उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना एवं करण महाना, उपस्थित रहे। ओम जन सेवा संस्थान के संरक्षक पार्षद कैलाश पांडे के नेतृत्व में यह सर्वजातीय सामूहिक विवाह कराया गया अध्यक्ष शिव देवी अग्रहरि (सीमा) ने कहा कि मेरा संकल्प पूरा हुआ हमें बहुत खुशी हो रही है यह पुण्य कार्य सम्पन्न करके। नवदम्पति को गृहस्ती की समस्त जरूरी सामान देकर विदा किया। इस समारोह में प्रमुख रूप से माननीय सतीश महाना, करण महाना, पार्षद कैलाश पांडे, सचिव शैलेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष सीमा अग्रहरि, मेजर योगेंद्र सिंह कटियार, शैलेश बाजपेई, मनोज शर्मा, धर्मेंद्र चौरसिया, कृष्ण मुरारी अवस्थी, गौरव पांडे, अभिषेक यादव इत्यादि लोग मौजूद रहे।

डीएम ने उप कृषि निदेशक कार्यालय का किया औचक निरीक्षण, 6 कर्मचारी मिले अनुपस्थित

» कार्यालय परिसर में मिली गंदगी पर जताई गहरी नाराजगी

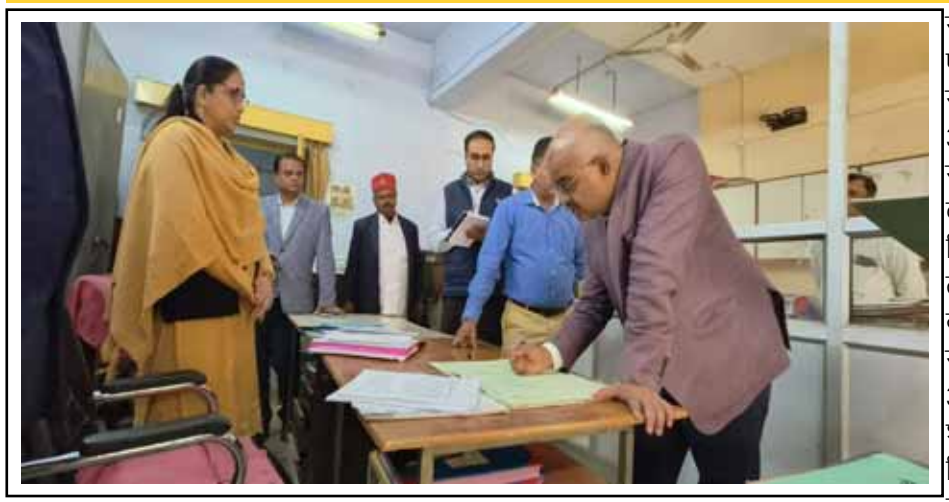

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने उप कृषि निदेशक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपस्थिति, व्यवस्था और कार्यालय स्वच्छता से संबंधित कई अनियमितताएँ सामने आईं।

उपस्थिति पंजिका के अवलोकन में छह कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इनमें प्रधान सहायक मनोज कुमार शुक्ला, अवर अभियंता आनन्द राव गौतम, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह और सुशील कुमार, कनिष्ठ सहायक अंकिता सिंह सेंगर तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हाकिम सिंह शामिल हैं। डीएम ने निर्देश दिया कि सभी को 14 नवम्बर को अनुपस्थित चिह्नित किया जाए और उनका वेतन जिलाधिकारी की अनुमति के उपरांत ही जारी किया जाए।

निरीक्षण के दौरान पटल सहायकों के कक्षों में फाइलें अव्यवस्थित, मेज-कुर्सियों पर धूल, तथा दीवारों पर जाले पाए गए। जिलाधिकारी ने इसे असंतोषजनक बताते हुए कार्यालय व्यवस्था में तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने उप कृषि निदेशक को एक सप्ताह के भीतर पत्रावलियों को सुव्यवस्थित करने और साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा।एक कक्ष की खिड़कियों के शीशे टूटे पाए गए, जिन्हें देखते हुए डीएम ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र मरम्मत के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टूटे शीशों के कारण सुरक्षा और स्वच्छता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

कार्यालय परिसर में स्थित शौचालय का निरीक्षण भी संतोषजनक नहीं पाया गया। शौचालय की साफ-सफाई की जिम्मेदारी स्टोर इंचार्ज तथा प्रधान सहायक मनोज कुमार शुक्ला के पास है, जो निरीक्षण के समय अनुपस्थित थे। इस पर जिलाधिकारी ने उनके विरुद्ध विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि दर्ज करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यालय व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित करने के लिए सभी बिंदुओं पर समयबद्ध कार्रवाई अपेक्षित है।

संपूर्ण समाधान दिवस का बहिष्कार कर धरने पर बैठे लेखपाल

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के बैनर तले रसूलाबाद तहसील में तैनात लेखपाल संपूर्ण समाधान का बहिष्कार कर धरने पर बैठ गए। लेखपाल संघ के रसूलाबाद तहसील अध्यक्ष योगेश कुमार की अगुवाई में धरने पर बैठे लेखपालों ने बताया कि विगत 9 वर्ष से उनकी कई मांगों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने अपनी मांगों के बाबत बताया कि लेखपाल पद की शैक्षणिक योग्यता एवं पदनाम परिवर्तन करने, प्रारंभिक वेतनमान उच्चीकरण, एसीपी विसंगति, मृतक आश्रित लेखपालों की पुरानी पेंशन विसंगति,राजस्व निरीक्षक एवं नायब तहसीलदार के अतिरिक्त पद सृजन, स्टेशनरी भत्ता 100 रुपये से बढ़कर 1000 रुपये किया जाएं। अंतरमंडलीय स्थानांतरण हेतु निर्गत शासनादेश 23 अगस्त 2018 के अनुपालन में अंतर मंडलीय स्थानांतरण हेतु ऑनलाइन आवेदन परिषद में मंगा लिए गए हैं।

150 दिव्यांग बच्चों को बस में बिठाकर कारगिल पार्क का कराया गया भ्रमण

कानपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कानपुर नगर सुरजीत कुमार सिंह के निर्देश में घाटमपुर ब्लॉक, बिल्हौर ब्लॉक, सरसौल ब्लॉक के लगभग 150 दिव्यांग बच्चों को बस में बिठाकर कारगिल पार्क घुमाने ले गए। बच्चों को घुमाने का मूल उद्देश्य था कि उनके अंदर उत्साह पैदा हो और समाज में एक अच्छा संदेश जाए कि दिव्यांग बच्चे भी किसी से कम नहीं हैं। बच्चों के साथ स्पेशल एजुकेटर केयरटेकर जिला समन्वयक समेकित शिक्षा डिंपल रानी जिला सामान्य सामुदायिक अनिरुद्ध सिंह जिला समन्वयक निर्माण प्रवीण पांडे एस आर सी डॉक्टर अलका गुप्ता आनंद प्रमोद प्रताप सिंह आदि मौजूद थे।

नौगांव थाने में धमाका, 9 की मौत

32 गंभीर रूप से घायल 300-600 मीटर दूर गिरे बॉडी पार्ट्स,लोग बोले- हमने खोपड़ी गिरते देखी

» मारे गए 9 लोगों में से एक इंस्पेक्टर, 3 फोरेंसिक टीम मेंबर, 2 क्राइम ब्रांच फोटोग्राफर, 2 राजस्व अधिकारी और एक दर्जी शामिल हैं।

» विस्फोटक में बिना डेटोनेटर के धमाका बना सस्पेंस

» बीपीएस न्यूज

श्रीनगर/नई दिल्ली। श्रीनगर के नौगाम थाने में फरीदाबाद से जब्त विस्फोटक की जांच चल रही थी, तभी उसमें ब्लास्ट हुआ। पुलिस ने पहले हमारे रिश्तेदार टेलर मोहम्मद शफी को सुबह बुलाया था। फिर शाम को भी बुलाया था। पुलिस के बुलाने पर वो चले गए थे। रात में हमने जोरदार धमाके की आवाज सुनी। हमें नहीं पता था कि वो उसी थाने में अंदर थे। हम लोग घायलों की मदद करने लगे थे। हमें पुलिस स्टेशन से 300 से 600 मीटर दूर तक बॉडी पार्ट्स मिले। तभी हमें पता चला कि टेलर मोहम्मद शफी की भी जान चली

गई है। उसके घर में अब कोई कमाने वाला नहीं रहा।

ये कहना है 14 नवंबर की रात करीब 11:22 बजे श्रीनगर के नौगाम थाने में हुए ब्लास्ट में मारे गए शफी के रिश्तेदार का। इस धमाके में 9 लोगों की मौत हो गई और 32 लोग घायल हैं। इनका 92 आर्मी बेस और स्चढ्ढरूरू सौरा हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात ने कहा कि ये एक हादसा था। विस्फोटक से सैंपलिंग के दौरान ब्लास्ट हुआ। मारे गए 9 लोगों में से एक इंस्पेक्टर, 3 फोरेंसिक टीम मेंबर, 2 क्राइम ब्रांच फोटोग्राफर, 2 राजस्व अधिकारी और एक दर्जी शामिल हैं।

नौगाम पुलिस स्टेशन के आसपास प्रभावित लोगों से बात की। उनकी जानकारी के अनुसार यहां हुआ धमाका दिल्ली के लाल किले के पास हुए धमाके जैसा था। इसकी आवाज श्रीनगर से लेकर बड़गाम तक सुनाई दी। जैसे दिल्ली में शॉक वेव से 300-400 मीटर तक नुकसान हुआ था, वैसे ही नौगाम ब्लास्ट में भी दूर तक घरों को नुकसान पहुंचा।

नौगाम थाने के पास ही रहने वाली एक महिला ने हमें कैमरे पर बताया कि हम तो उस समय सोए हुए थे। तभी अचानक तेज धमाका हुआ। पुलिस स्टेशन में। हमारा तो घर ही गिर गया। पूरा घर डैमेज हो गया। हम बच्चों को लेकर तुरंत घर से बाहर भागे। बाहर कहीं किसी की खोपड़ी गिरी थी। किसी के शरीर के टुकड़े बिखरे थे। हमने देखा है कि ह्यूमन बॉडी बिखरी हुई थीं।

पुलिस स्टेशन के पास रहने वाले जुनैद कहते हैं- मैं इसी कॉलोनी में रहता हूं। रात में 11 बजकर 20 मिनट पर ब्लास्ट हुआ। सब लोग घबरा गए। उस समय लगा कि कोई एयर ब्लास्ट तो नहीं हुआ। जब अपनी आंखों से देखा तो पता चला कि पास में धमाका हुआ।खिड़कियां टूट गईं। दरवाजे टूट गए। बच्चे घबरा गए। बुजुर्ग घबरा गए थे। हम सब बाहर निकले। सबसे ज्यादा डैमेज पुलिस स्टेशन को हुआ है। एक दर्जी थे। उनकी भी डेथ हुई है। कई लोग घायल थे। हम लोग घायलों की जान बचाने में जुट गए।नौगाम पुलिस थाने में हुए धमाके से पहले वहां की फोटोग्राफी करने के लिए अर्शीद अहमद शाह गए थे। धमाके में उनकी भी मौत हो गई। परिवार के लोगों का कहना है- काफी पहले अर्शीद के बड़े भाई की एक दुर्घटना में मौत हो गई थी। उसके बाद से अर्शीद ही घर का खर्चा उठा रहा था। वो घर का इकलौता कमाने वाला था। हमें आज उसकी मौत की खबर मिली और पूरा परिवार सदमे में है। अर्शीद के दो बच्चे भी हैं। पिता को हार्ट की बीमारी है।जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात ने शनिवार को कहा कि ये एक हादसा था। विस्फोटक से सैंपलिंग के दौरान ब्लास्ट हुआ, लेकिन सवाल है कि सैंपलिंग के दौरान विस्फोट कैसे हुआ। इस पर हमने दिल्ली एम्स के पूर्व फोरेंसिक डायरेक्टर डॉ. टीडी डोगरा से बात की। अकेले अमोनियम नाइट्रेट में विस्फोट नहीं हो सकता है, जिस तरह से दिल्ली और श्रीनगर में धमाके हुए। उनमें विस्फोटक एक समान होने की आशंका है क्योंकि दोनों में तीव्रता एक जैसी ही देखने को मिली है, लेकिन एक्सप्लोसिव मटेरियल में धमाका कैसे हुआ। बिना डेटोनेटर और फ्यूज से ये धमाका नहीं हो सकता है।जम्मू-कश्मीर के नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए विस्फोट में इस्तेमाल विस्फोटकों का जखीरा हरियाणा के फरीदाबाद से एक टाटा 407 पिकअप ट्रक में छोटे-छोटे बैगों में भरकर लाया गया था।

जीरकपुर फ्लाईओवर पर टूरिस्ट बस में लगी आग, सभी यात्री बाल-बाल बचे

» बीपीएस न्यूज

जीरकपुर। फ्लाईओवर पर शनिवार तड़के एक टूरिस्ट बस में आग लगने की घटना में सभी यात्री बाल-बाल बच गए। आग इतनी तेज़ी से फैली कि कुछ ही मिनटों में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई,...जीरकपुर फ्लाईओवर पर शनिवार तड़के एक टूरिस्ट बस में आग लगने की घटना में सभी यात्री बाल-बाल बच गए। आग इतनी तेज़ी से फैली कि कुछ ही मिनटों में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई, लेकिन चालक और कंडक्टर की सतर्कता ने बड़ा हादसा होने से टाल दिया।निजी लक्ज़री बस आगरा से अमृतसर जा रही थी। रास्ते में अचानक बस में तकनीकी खराबी आने पर चालक ने उसे सड़क किनारे रोक दिया। इसी दौरान बस के पीछे के हिस्से से धुआँ निकलता देखकर चालक और कंडक्टर ने तुरंत सभी यात्रियों को बस से उतरवा दिया।कुछ ही देर में बस पूरी तरह आग की चपेट में आ गई। जीरकपुर और डेराबस्सी से दमकल विभाग की गाड़ियाँ मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया।

एसएसएफ अधिकारियों ने बताया कि घटना के कारण सिंहपुरा चौक से फ्लाईओवर तक यातायात कुछ समय के लिए रोका गया था।

हार के बाद बोले राहुल गांधी- हम ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके, जो शुरू से निष्पक्ष नहीं था

राहुल गांधी ने बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे को चौंकाने वाला करार दिया

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे को चौंकाने वाला करार दिया।

उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सका, जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल ने 'एक्स पर पोस्ट किया, मैं बिहार के उन करोड़ों मतदाताओं का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने महागठबंधन पर विश्वास जताया। बिहार का यह परिणाम वाकई चौंकाने वाला है। हम एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके, जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था।उन्होंने लिखा कि यह संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई है।राहुल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया इस परिणाम की गहराई से समीक्षा करेंगे और लोकतंत्र को बचाने के अपने प्रयासों को व अधिक प्रभावी बनाएंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस मात्र छह सीटों पर सिमट गई। वहीं, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 200 से अधिक सीट हासिल हुईं।

पीएम ने किया भीड़ का अभिवादन, बोले

बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया अब वापस नहीं आएगी कट्टा सरकार

» बीपीएस न्यूज

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार चुनाव 2025 में एनडीए की जीत पार्टी और जनता द्वारा एनडीए सरकार के प्रति समर्थन का परिणाम है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत बिहार की जनता द्वारा एनडीए को दिए गए ऐतिहासिक जनादेश को स्वीकार करते हुए की और कहा, बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया। महागठबंधन पर तंज कसते हुए उन्होंने राज्य को आश्वासन दिया कि कट्टा सरकार कभी वापस नहीं आएगी और राज्य भविष्य में अभूतपूर्व विकास देखेगा।

मोदी ने कहा कि हम एनडीए के लोग, हम तो जनता जनार्दन के सेवक हैं। हम अपनी मेहनत से जनता का दिल खुश करते रहते हैं, और हम तो जनता जनार्दन का दिल चुरा कर बैठे हुए हैं, इसलिए आज बिहार ने बता दिया है — फिर एक बाद ह्रष्ट सरकार। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने विकसित बिहार के लिए मतदान किया है। बिहार के लोगों ने समृद्ध बिहार के लिए मतदान किया है। मैंने चुनाव प्रचार के दौरान, बिहार की जनता से रिकॉर्ड वोटिंग का आग्रह किया था और बिहार के लोगों ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। मैंने बिहार के लोगों से एनडीए को प्रचंड विजय दिलाने का आग्रह किया था, बिहार की जनता ने मेरा ये आग्रह भी माना।

मोदी ने कहा कि बिहार के चुनाव में जब मैं जंगलराज की बात करता था, कट्टा सरकार की बात करता था तो एनडीए के लोग विरोध नहीं करते थे लेकिन कांग्रेस को बहुत चुभता था लेकिन आज मैं फिर कहता हूं कि अब वापस नहीं आएगी कट्टा सरकार। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने विकसित बिहार के लिए मतदान किया है। बिहार के लोगों ने समृद्ध बिहार के लिए मतदान किया है। मैंने चुनाव प्रचार के दौरान बिहार की जनता से रिकॉर्ड मतदान के लिए आग्रह किया था और बिहार के लोगों ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, मैंने बिहार के लोगों से ह्रष्ट को प्रचंड विजय दिलाने का आग्रह किया था, बिहार की जनता ने मेरा ये आग्रह भी माना। बिहार ने 2010 के बाद का सबसे बड़ा जनादेश ह्रष्ट को दिया है। मैं बहुत विनम्रता से ह्रष्ट के सभी दलों की ओर से बिहार की महान जनता का आभार व्यक्त करता हूं।प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार ने 2010 के बाद का सबसे बड़ा जनादेश एनडीए को दिया है। मैं बहुत विनम्रता से एनडीए के सभी दलों की ओर से बिहार की महान जनता का आभार व्यक्त करता हूं। मैं बिहार की महान जनता को आदरपूर्वक नमन करता हूं।

लाल किले के पास कार में विस्फोट

11 की मौत, कई घायल, दिल्ली पुलिस जांच में जुटी, सुरक्षा अलर्ट

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार को एक विस्फोट हुआ, जिसमें कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

एएनआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास एक कार में विस्फोट हुआ, जिसके बाद तीन से चार वाहनों में भी आग लग गई और उन्हें नुकसान पहुँचा। दिल्ली अग्निशमन विभाग (डीएफएस) ने एक बयान में कहा,लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास एक कार में विस्फोट की सूचना मिली थी, जिसके बाद तीन से चार वाहनों में भी आग लग गई और उन्हें नुकसान पहुँचा।खबर के मुताबिक इसमें कुछ लोग घायल हुए हैं। विस्फोट में 11 लोगों की मृत्यु की पुष्टि की बात भी कही जा रही है। धमाके के बाद आसपास खड़ी गाड़ियों के भी शीशे टूट गए। जिस समय यह धमाका हुआ उस समय वहां पर काफी भीड़ थी। फिलहाल दिल्ली पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट की सूचना शाम करीब 6:55 बजे मिली, जिसके बाद दमकल की सात गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। इसके तुरंत बाद आग पर काबू पा लिया गया।

पीएम मोदी ने एलएनजेपी अस्पताल में दिल्ली विस्फोट के घायलों से की मुलाकात

नई दिल्ली। भूटान की दो दिवसीय यात्रा से लौट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को दिल्ली में लाल किला के पास हुए विस्फोट में घायल हुए लोगों से मिलने एलएनजेपी अस्पताल गए। उन्होंने घायलों से मुलाकात की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। अस्पताल के अधिकारियों और डॉक्टरों ने भी उन्हें घायलों की स्थिति की जानकारी दी।प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, एलएनजेपी अस्पताल जाकर दिल्ली में हुए विस्फोट में घायल हुए लोगों से मुलाकात की। सभी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। साजिश के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भूटान से देशवासियों को संदेश देते हुए कहा था कि इस षड्यंत्र के पीछे जो भी लोग हैं, उन्हें किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत की एजेंसियां इस पूरी साजिश की तह तक जाएंगी और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उन्होंने कहा था, आज मैं यहां बहुत भारी मन से आया हूं। कल शाम दिल्ली में हुई भयावह घटना ने पूरे देश को व्यथित कर दिया है। मैं पीड़ित परिवारों के दुख को भली-भांति समझता हूं। आज पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

धर्मेंद्र को अस्पताल से छुट्टी मिली, परिवार ने लिया घर पर ही इलाज का फैसला

» बीपीएस न्यूज

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धमेन्द्रको बुधवार सुबह दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी और अब वह घर पर ही स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करेंगे। उनके परिवार ने यह जानकारी दी।धमेन्द्र (89) को थोड़े दिन पहले कुछ जांचों के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था और आज उन्हें छुट्टी दे दी गयी। हालांकि, उनके परिवार और अस्पताल के अधिकारियों ने इन जांचों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।उनके परिवार ने एक बयान जारी कर ''निजता का सम्मान करने का आग्रह किया है। उनके बेटे सनी देओल के जनसंपर्क प्रतिनिधि ने एक बयान में कहा, ''श्री धमेन्द्र को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और वह घर पर ही स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करेंगे। हम मीडिया और आम जनता से अनुरोध करते हैं कि वे आगे कोई भी अटकल लगाने से बचें और इस दौरान उनकी और उनके परिवार की निजता का सम्मान करें।इसमें कहा गया है, ''हम उनके स्वस्थ होने, अच्छे स्वास्थ्य और लंबी आयु के लिए सभी के प्यार, प्रार्थनाओं और शुभकामनाओं पर आभार जताते हैं। कृपया उनका सम्मान करें क्योंकि वह आपसे प्यार करते हैं। अभिनेता का इलाज कर रहे ब्रीच कैंडी अस्पताल के डॉ. प्रतीत समदानी ने भी उन्हें छुट्टी दिए जाने की पुष्टि की। उन्होंने कहा, ''धर्मेंद्र जी को सुबह करीब 7.30 बजे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। परिवार ने उनका घर पर ही उपचार कराने का फैसला किया है।अभिनेता के स्वास्थ्य के बारे में पूछे जाने पर डॉ समदानी ने कहा कि वह केवल इतना कह सकते हैं कि धर्मेंद्र को अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है। एक एम्बुलेंस को अस्पताल से धर्मेन्द्र के बड़े बेटे सनी देओल के उपनगरीय जुहू स्थित आवास के लिए रवाना होते देखा गया।

तीन अंतरराष्ट्रीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, 11 चोरों से 13 वाहन बरामद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में घूम-घूमकर वाहनों को चुराकर नेपाल में बेचने वाले तीन अंतरराष्ट्रीय वाहन चोर गिरोह का पुलिस ने रविवार को पर्दाफाश किया। क्राइम ब्रांच ने सर्विलांस टीम की मदद से रेलबाजार, गोविंदनगर, फजलगंज थाना क्षेत्र से 11 चोरों को चोरी के 13 वाहनों समेत गिरफ्तार किया है।

जेसीपी अपराध एवं मुख्यालय विनोद कुमार सिंह ने पुलिस कार्यालय सभागार में प्रेसवार्ता कर बताया कि शहर में वाहन चोरों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। वाहन चेकिंग के दौरान क्राइम ब्रांच व सर्विलांस टीम की मदद से रेल बाजार से तीन वाहन चोर जाजमऊ पुरानी चुंगी तेल मिल चौराहा निवासी 29 वर्षीय सैय्यद फैजल, नवाबगंज के पहलवान पुरवा निवासी 23 वर्षीय मुरली निषाद, रेलबाजार के मैफदनगर गोरा कब्रिस्तान निवासी 20 वर्षीय फैसल को गिरफ्तार किया।फजलगंज से दो वाहन चोर चकेरी मंगलाविहार निवासी 21 वर्षीय रेहान खान, उन्नाव के अटलविहारी नगर निवासी 22 वर्षीय काजी फैज को हाल पता निरालानगर को गिरफ्तार किया गया। वहीं, गोविंदनगर से छह वाहन चोर बर्रा निवासी 20 वर्षीय जगजोत सिंह, 27 वर्षीय शिवम शास्त्री, 18 वर्षीय आर्यन निषाद, गोविंदनगर कच्ची बस्ती निवासी 18 वर्षीय जीतू, गुजैनी मेहरबान सिंह का पुरवा निवासी 18 वर्षीय हर्षित सैनी, जिला अंबेडकरनगर के थाना महरुआ के ग्राम हैडी पकड़िया निवासी 42 वर्षीय अबरार अंसारी को गिरफ्तार किया। वर्तमान में जूही के परमपुरवा में रहता था।पुलिस के अनुसार शातिरों के पास से आठ बाइकें, दो बुलेट, तीन स्कूटी के अलावा दो पहिया वाहनों का लॉक तोड़ने के लिए टी हैंडल एनएलकी और पुरानी चाबियां बरामद हुई हैं। गिरोह चोरी के वाहनों को बहराइच के रास्ते नेपाल ले जाकर बेचते थे। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया वहां से सभी को जेल भेज दिया गया।पुलिस ने बताया कि पकड़े गए 11 आरोपियों की उम्र 18 से 42 तक की है। उनमें से ज्यादा 18 से 23 के बीच की उम्र के हैं। तीन युवक जवानी की दहलीज पर कदम रखते ही महंगे शौक पूरे करने के लिए अपराध करने लगे।

पुलिस आयुक्त ने नागरिकों व स्थानीय दुकानदारों से की अपील, संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नई दिल्ली में हुई घटना के परिप्रेक्ष्य में कानपुर नगर में रेड अलर्ट घोषित किया गया था। तत्पश्चात सभी संवेदनशील स्थानों एवं महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों सहित समस्त फील्ड अधिकारी निरंतर क्षेत्र में सक्रिय रहकर निगरानी कर रहे हैं।

संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों एवं पार्किंग स्थलों की गहन चेकिंग की जा रही है। धार्मिक स्थलों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती बढ़ाई गई है।

पुलिस के पास पूर्व से ही वॉचलिस्ट में शामिल व्यक्तियों का सत्यापन कार्य जारी है। प्राप्त इनपुट्स के आधार पर संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जा रही है। सोशल मीडिया मॉनिटरिंग टीम भी लगातार सक्रिय है और संभावित सूचनाओं पर नजर रखे हुए है। पुलिस आयुक्त ने आम नागरिकों व स्थानीय दुकानदारों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या गतिविधि की सूचना तत्कालसूचित करें और सतर्क रहें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय समिति की बैठक संपन्न

सौ से अधिक छात्रों वाले विद्यालयों में स्थापित होगा सोशियो इमोशनल लर्निंग रूम

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में छात्र मानसिक स्वास्थ्य तथा कोचिंग सेंटर विनियमों की निगरानी एवं कार्यान्वयन हेतु गठित जनपद स्तरीय समिति की बैठक आयोजित हुई। बढ़ती प्रतिस्पर्धा, कोचिंग संस्कृति और परीक्षा दबाव के चलते छात्रों में मानसिक तनाव और नकारात्मक प्रवृत्तियों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है।

समिति का गठन 28 जुलाई 2025 को सुकदेव साहा बनाम आंध्र प्रदेश राज्य एवं अन्य में पारित सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के आधार पर किया गया है। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि हाल के दिनों में कई छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति का विकास देखा गया है। यह एक सामाजिक त्रासदी है जिसे रोकने के लिए समाज, संस्थान और अभिभावक सभी को सजग होना होगा।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि 100 या 100 से अधिक नामांकित छात्रों वाले सभी शैक्षिक संस्थानों में सोशियो इमोशनल लर्निंग (एसईएल) रूम की स्थापना की जाए। ये कक्ष छात्रों को सुरक्षित वातावरण, संवाद का अवसर और तनाव से निपटने की संरचित गतिविधियाँ प्रदान करेंगे। इन केंद्रों में मनोवैज्ञानिक परामर्शदाताओं की नियुक्ति की जाएगी, जो छात्रों को मानसिक दबाव, चिंता और नकारात्मक विचारों से उबरने में सहायता करेंगे। विद्यालयों में स्कूल वेलनेस कमेटी का गठन भी अनिवार्य होगा। डीएम ने स्वेच्छा से काम करने वाले वालंटियर्स को भी इस प्रणाली से जोड़ने के निर्देश दिए।डीआईओएस संतोष राय ने बताया कि प्रत्येक परिसर, कक्षाओं, छात्रावासों एवं सामान्य क्षेत्रों में राष्ट्रीय आत्महत्या हेल्पलाइन टेलीमानस के नंबर 14416 तथा 1800891416 को प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि किसी भी छात्र या व्यक्ति को नकारात्मक भाव आने पर तत्काल परामर्श मिल सके।उन्होंने बताया कि जनपद में 289 पंजीकृत कोचिंग संस्थान हैं। इनमें 100 से अधिक छात्रों की संख्या वाले संस्थानों को पूर्णकालिक मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता अनिवार्य रूप से तैनात करना

होगा, जबकि 100 से कम छात्रों वाले संस्थानों में अंशकालिक परामर्शदाता नियुक्त किया जाएगा।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक महाविद्यालय एवं कॉलेज एकरूप मानसिक स्वास्थ्य नीति तैयार करें और उसे समय-समय पर अद्यतन करते रहें। यह नीति उम्मीद मसौदा दिशा-निर्देशों, मनोदर्पण पहल तथा राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति से प्रेरित होनी चाहिए। सभी शैक्षणिक संस्थान इस नीति को अपनी वेबसाइट एवं नोटिस बोर्ड पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करेंगे।

डीएम ने कहा कि यदि किसी छात्र या युवा में आत्महत्या से पूर्व की प्रवृत्ति या नकारात्मक भाव दिखाई दे तो संस्थान तत्काल उसके परिजनों को अवगत कराए। उन्होंने सभी संस्थानों को एक माह के भीतर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में सीडीओ दीक्षा जैन, मनोचिकित्सक डॉ. चिरंजीवी प्रसाद, मनोवैज्ञानिक एल.के. सिंह, मनोवैज्ञानिक पूनम सिंह, समाजसेवी दिशा अरोड़ा, बीएसए सुरजीत सिंह, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विनय उत्तम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बॉलीवुड में दस्तक देगी अभिनेत्री पूजा राणा

देहरादून की रहने वाली डांसर और मॉडल पूजा राणा बहुत जल्द ही बतौर अभिनेत्री बॉलीवुड में दस्तक देने जा रही हैं। पिछले कई वर्षों से वह दुबई में रह रही थीं, जहां उन्होंने बतौर मॉडल काम किया और कई रैम्प वॉक, ब्यूटी पेजेंट शो और इवेंट्स में हिस्सा लिया। अब तक वह 25 से अधिक फैशन शो कर चुकी हैं। डांसर पूजा राणा की दो दक्षिण भारतीय फिल्में आगामी वर्ष तक रिलीज़ होने वाली हैं, जिनमें उनके शानदार आइटम डांस सॉन्ग्स दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर देंगे। इससे पहले वह हिंदी और पहाड़ी म्यूजिक वीडियो में भी नजर आ चुकी हैं और अपने लाजवाब एक्सप्रेशन व डांस मूव्स से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं। उनकी प्रेरणा अभिनेत्री माधुरी दीक्षित को अपना आदर्श मानने वाली पूजा राणा को निर्देशक संजय लीला भंसाली की भव्य फिल्मों का अंदाज़ बेहद पसंद है। पूजा का सपना है कि एक दिन वह भंसाली जैसे बड़े निर्देशक के साथ काम करें।

महज 25 साल की उम्र में, पूजा राणा ने यह साबित कर दिया है कि सफलता उम्र की मोहताज नहीं होती। आत्मविश्वास से भरी, चुलबुली और बिंदास पूजा का कहना है ङ्क फ्रअपने काम पर फोकस करें, मेहनत करते रहें और आगे बढ़ते रहें। आपका काम ऐसा हो कि आपके परिवार और समाज को आप पर गर्व हो। धैर्य रखें, सफलता ज़रूर मिलेगी।फ्र

पूजा का सपना हमेशा से अभिनेत्री बनने का रहा है, और इसी सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने मायानगरी मुंबई का रुख किया है। वह चाहती हैं कि एक दिन वह मुख्य अभिनेत्री के रूप में पर्दे पर अपनी पहचान बनाएँ। इसके लिए वह निरंतर मेहनत कर रही हैं और अपने अभिनय कौशल को निखारने में जुटी हैं।

प्रस्तुति- काली दास पाण्डेय

अजय देवगन की फिल्म दे दे प्यार दे 2 की बॉक्स ऑफिस पर कैसी रहेगी शुरुआत?

अजय देवगन, रकुल प्रीत सिंह और आर माधवन की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' कल यानि 14 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म के ट्रेलर और गानों को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। अब फिल्म के एडवांस बुकिंग के आंकड़े सामने आने लगे हैं जो ज्यादा कुछ खास नहीं है।अंशुल शर्मा द्वारा निर्देशित फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की रिलीज में एक दिन ही बचा है। ये 2019 में आई हिट फिल्म 'दे दे प्यार दे' का सीक्वल है जिसने अभी से सोशल मीडिया पर अच्छी-खासी हाइप बना ली है। ऐसे में ट्रेड ऐनालिस्ट ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया है कि अजय देवगन की ये रोमांटिक कॉमेडी एंटरटेनर बॉक्स ऑफिस पर कैसी ओपनिंग कर पाएगी।स्ड्डष्ठ्ठद्बद्यद्म द्वारा दिए गए आंकड़ों से पता चला है कि फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' ने रिलीज से पहले अबतक देशभर में कितने टिकट बेच दिए हैं और कितने रुपये कमा लिए हैं। इसकी माने तो, फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' ने भारत में 11899 शो के लिए अबतक लगभग 54740 टिकट धड़ाधड़ बेच डाले हैं। ऐसे में डे 1 के लिए उसने लगभग 1.58 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। ब?लॉक सीटों को जोड़ दें तो 'दे दे प्यार दे 2' ने अबतक 4.56 करोड़ रुपये की एडवांस बुकिंग दर्ज की है।

किसी अस्पताल ने दुर्घटना में घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार देने से किया इनकार तो रद्द होगा पंजीकरण: मण्डलायुक्त

» सड़क सुरक्षा पर मण्डलायुक्त सख्त, ब्लैक स्पॉट्स पर तत्काल सुधार के निर्देश

» हर नागरिक निभाए 'नेक आदमी' का कर्तव्य, सड़क सुरक्षा बने जनआंदोलन

» नेक आदमी को 25,000 की प्रोत्साहन राशि तथा प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मण्डलायुक्त के. विजयेन्द्र पांडियन की अध्यक्षता में मण्डल स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में पुलिस उपायुक्त (यातायात) रविन्द्र कुमार, नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय, सम्भागीय परिवहन अधिकारी राकेन्द्र कुमार सिंह, सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) राहुल श्रीवास्तव सहित कानपुर मण्डल के सभी जनपदों के सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। मण्डलायुक्त ने कहा कि सड़क सुरक्षा जनहित से जुड़ा विषय है, इसलिए सभी विभागों को समन्वय के साथ ठोस कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने सड़कों की स्थिति सुधारने, ब्लैक स्पॉट्स पर सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने और जन-जागरूकता बढ़ाने पर विशेष बल दिया।

मण्डलायुक्त ने कहा कि दुर्घटना में घायल व्यक्ति का प्राथमिक उपचार करना प्रत्येक अस्पताल का दायित्व है। किसी भी दुर्घटना में गोल्डेन आवर का विशेष महत्व है, यदि कोई अस्पताल गोल्डन आवर में घायल व्यक्ति को उपचार देने से इनकार करता है, तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी और उसका पंजीकरण भी निरस्त किया जाएगा। मंडलायुक्त ने जनपद में कार्यरत निजी एंबुलेंस की जांच करते हुए अवैध एंबुलेंस को चिन्हित कर कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में बताया गया कि कानपुर मण्डल में कुल 57 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं। सम्भागीय परिवहन अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग अथवा एमडीआर पर स्थित ऐसे 500 मीटर क्षेत्र को ब्लैक स्पॉट माना जाता है, जहाँ पिछले तीन वर्षों में कम से कम पाँच सड़क दुर्घटनाएँ या दस से अधिक मृत्यु हुई हों। मण्डलायुक्त ने निर्देश दिए कि इन स्थानों पर साइन बोर्ड, स्पीड लिमिट, थर्मोप्लास्टिक मार्किंग, रंबल स्ट्रिप और रिफ्लेक्टर बोर्ड जैसी व्यवस्थाएँ तत्काल सुनिश्चित की जाएँ। साथ ही पीडब्ल्यूडी, यातायात पुलिस और परिवहन विभाग समिति बनाकर संयुक्त रूप से निरीक्षण कर सुधारात्मक कार्यवाही की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

बैठक में रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव आरके सफ्फड़ ने एनएच किनारे बसे गाँवों में कैपेसिटी बिल्डिंग के तहत फर्स्ट एड ट्रेनिंग आयोजित करने और कुछ स्थानों पर बने यू-टर्न को वैज्ञानिक तरीके से पुनर्निर्मित करने का सुझाव दिया। मण्डलायुक्त ने इस प्रस्ताव से सहमति जताते हुए निर्देश दिए कि संबंधित विभाग प्रशिक्षण कार्यक्रम का रोडमैप तैयार करें और यातायात पुलिस के सहयोग से प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण दिया जाए।

मण्डलायुक्त ने यातायात नियमों के पालन को सख्ती से लागू करने के निर्देश देते हुए कहा कि बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग, नशे में वाहन चलाना, मोबाइल फोन का प्रयोग और रॉन्ग साइड ड्राइविंग जैसी प्रवृत्तियों पर कठोर प्रवर्तन कार्रवाई की जाए। जनवरी से अक्टूबर 2025 के बीच परिवहन विभाग ने छह जनपदों में कुल 72,814 चालान किए, जिनमें 56,321 हेलमेट और 16,493 सीट बेल्ट उल्लंघन से संबंधित थे। सबसे अधिक कार्रवाई कानपुर नगर में 39,733 चालानों के रूप में हुई. इसी अवधि में पुलिस विभाग ने कुल 2,54,685 चालान किए, जिनमें 2,45,343 हेलमेट और 9,342 सीट बेल्ट के मामलों से संबंधित थे। सर्वाधिक कार्रवाई कानपुर नगर में 1,75,822 चालानों के रूप में दर्ज की गई। मण्डलायुक्त ने कहा कि ड्रंकन ड्राइविंग के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जाए और इसकी रिपोर्ट मण्डल स्तर पर प्रेषित की जाए।

हिट एंड रन मोटर दुर्घटना प्रतिकर योजना-2022 की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने कहा कि पीड़ितों के परिजनों को राहत राशि समयबद्ध मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने परिवहन और पुलिस विभाग को सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने तथा जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। मण्डल में अब तक कुल 127 प्रकरण प्राप्त हुए हैं, जिनमें 27 का निस्तारण किया जा चुका है जबकि 100 प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं। योजना के अनुसार सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की 25 फरवरी 2022 की अधिसूचना के तहत दुर्घटना में मृत्यु होने पर आश्रितों को 2 लाख और गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को 50,000 की क्षतिपूर्ति दी जाती है।

विद्यालय परिवहन यान सुरक्षा समिति के संबंध में मण्डलायुक्त ने निर्देश दिए कि कानपुर नगर की तर्ज पर सभी जनपद गूगल शीट तैयार करें, जिसमें विद्यालय वाहनों के चालकों और परिचालकों के चरित्र सत्यापन, ड्राइविंग लाइसेंस तथा समिति बैठकों की जानकारी नियमित रूप से दर्ज की जाए। बैठक में भारत सरकार की गुड सेमेरिटन (नेक आदमी) / राह-वीर योजना पर भी चर्चा हुई। मण्डलायुक्त ने बताया कि यह योजना 21 अप्रैल 2025 से लागू है और इसका उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की सहायता करने वाले नागरिकों को प्रोत्साहन और संरक्षण प्रदान करना है। किसी भी घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाने वाले व्यक्ति से पुलिस पूछताछ नहीं की जाएगी, न ही उसे गवाह बनने या बिल भुगतान के लिए बाध्य किया जाएगा। घायल व्यक्ति को तत्काल उपचार मिलेगा और नेक आदमी को 25,000 की प्रोत्साहन राशि तथा प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष 10 श्रेष्ठ नेक आदमियों को 1,00,000 और प्रमाणपत्र देकर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हर नागरिक नेक आदमी का कर्तव्य निभाये। सड़क सुरक्षा का लक्ष्य जनभागीदारी से ही हासिल होगा।

संदिग्ध व विदेशी नागरिकों के सत्यापन हेतु पुलिस अधिकारियों की विशेष टीम की गई गठित- पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल

कानपुर। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने मीडिया को बताया कि जनपद में संदिग्ध व्यक्तियों एवं विदेशी नागरिकों की जानकारी के सत्यापन हेतु पुलिस अधिकारियों की एक विशेष टीम गठित की गई है। यह टीम पूर्व में प्राप्त सभी सूचनाओं एवं संदिग्ध व्यक्तियों की गहन जांच-पड़ताल कर रही है तथा

आवश्यकतानुसार विधिक कार्रवाई भी की जा रही है। जो संदिग्ध महिला पकड़ी गई है, उनके पूर्व पति एवं बच्चों से वार्ता की गई है। पुलिस द्वारा संबंधित सभी तथ्यों को एकत्र करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।जनपद में बांग्लादेशी, पाकिस्तानी नागरिकों एवं संभावित रूप से रह रहे रोहिंग्या के संबंध में प्राप्त सूचनाओं का सत्यापन भी लगातार किया जा रहा है। इस दिशा में गठित विशेष टीम विभिन्न तरीकों से जांच कर रही है। इसके साथ ही, पुराने प्रकरणों के संबंध में अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय बनाए रखने हेतु यह टीम सतत रूप से कार्य कर रही है।

बाबूपुरवा मार्केट अग्निकांड: बसपा प्रतिनिधिमंडल ने लिया जायजा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बाबूपुरवा बाकरगंज मार्केट में हाल ही में लगी भीषण आग से हुए नुकसान की जानकारी मिलने पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल तत्काल मौके पर पहुंचा प्रतिनिधि मंडल ने आग से प्रभावित पीड़ित दुकानदारों से मुलाकात की, उनसे घटना और क्षति के बारे में विस्तार से जानकारी ली, और उन्हें सरकार से उचित सहायता दिलाने का आश्वासन दिया ?बसपा प्रतिनिधिमंडल ने दुकानदारों की समस्याओं को सुना और उन्हें ढांढस बंधाया मुख्य मंडल प्रभारी बीआर अहिरवार ने कहा कि यह क्षति बहुत बड़ी है और पार्टी पीड़ितों के साथ खड़ी है उन्होंने जल्द से जल्द सरकार से मांग की है कि वह प्रभावित व्यापारियों के पुनर्वास और उनकी क्षतिपूर्ति के लिए पर्याप्त मुआवजा प्रदान करे। ?

युवा बसपा के रवि गुप्ता (व्यापारी) ने इस बात पर जोर दिया कि छोटे व्यापारियों के लिए यह नुकसान असहनीय है, और उन्हें तुरंत आर्थिक मदद की आवश्यकता है ताकि वे दोबारा अपना व्यापार शुरू कर सकें ?इस मौके पर मुख्य मंडल प्रभारी बीआर अहिरवार के साथ जिला प्रभारी राम शंकर कुरील, जिलाध्यक्ष कुलदीप कुमार एडवोकेट, युवा बसपा रवि गुप्ता (व्यापारी), जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद आमिर उर्फ मुन्ना, अध्यक्ष राम नारायण निषाद, राजकमल, महेश कुमार धानविक एवं तमाम अन्य बसपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे सभी ने पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और हर संभव मदद का भरोसा दिया।

महिला महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई आयोजित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। महिला महाविद्यालय प्रेक्षागार में भारतीय ज्ञान परंपरा वैभवशाली अतीत एवं उज्ज्वल भविष्य पर महिला महाविद्यालय किदवई नगर कानपुर के तत्वावधान में इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो अमित भारद्वाज सम्मानित अतिथि प्रो. विनय कुमार पाठक कुमकुम स्वरूप राजेश द्विवेदी विवेक द्विवेदी गौरवेंद्र स्वरूप अनंता स्वरूप अंजू चौधरी मुख्य वक्ता प्रो हिमांशु चतुर्वेदी विग्नेश त्यागी एके सिंह डॉ अनामिका वर्मा के द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से किया गया छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत की मनोरम प्रस्तुति दी। प्राचार्या प्रो अंजू चौधरी ने अपने स्वागत वक्तव्य में संगोष्ठी में उपस्थित प्रबुद्ध जनों तथा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बहु आयामी भारतीय ज्ञान परंपरा न केवल अतीत की बल्कि वर्तमान की भी अमूल्य निधि है। मुख्य अतिथि प्रो अमित भारद्वाज ने कहा कि भगवतगीता आध्यात्मिक एवं दार्शनिक सूझ के साथ ही वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक बुद्धिमत्ता से युक्त है। द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्या प्रो. नवीन मोहिनी निगम के द्वारा की गई। इस मौके पर ममता गंगवार, प्रतिभा श्रीवास्तव, ममता दीक्षित, संगीता, सितानी, साधना पांडे, वंदना शर्मा, प्रज्ञा श्रीवास्तव, रश्मि चतुर्वेदी, प्रो. मनीषा शुक्ला, डॉ निशात फातिमा, डॉ निशी सिंह तथा डॉ सबा युनूस एवं डॉ मधु गुप्ता मौजूद रहे।

एससी/एसटी आयोग के सदस्य की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक संपन्न

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य रमेश चन्द्र कुण्डे की अध्यक्षता में सर्किट हाउस सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में डीसीपी बेस्ट अंजली विश्वकर्मा, अपर नगर आयुक्त (प्रथम) मो. अवेश, अपर नगर आयुक्त (द्वितीय) जगदीश यादव, नगर स्वास्थ अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान सदस्य द्वारा जनपद में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से संबंधित विभिन्न योजनाओं, शिकायतों, प्रकरणों तथा कल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति पर विभागवार समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्ष्ट/स्श्र वर्ग से संबंधित सभी मामलों में संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। लंबित मामलों के निस्तारण में गति लाई जाए तथा लाभार्थियों को योजनाओं का समयबद्ध लाभ दिलाना विभागों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

पुलिस विभाग से अपराध एवं शिकायतों की स्थिति पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई तथा पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

समाज कल्याण विभाग को छात्रवृत्ति, आवासीय योजनाओं एवं आर्थिक सहायता योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पंचायती राज एवं नगर निगम अधिकारियों को आधारभूत सुविधाओं, सफाई व्यवस्था तथा विकास कार्यों में स्ष्ट/स्श्र बहुल क्षेत्रों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।लोक निर्माण विभाग से सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई, वहीं स्वास्थ्य विभाग को स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, विशेष रूप से ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों में सुविधाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए।

सदस्य रमेश चन्द्र कुण्डे ने सभी विभागों को समन्वय स्थापित कर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए कहा, ताकि समाज के वंचित वर्गों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। बैठक के समापन पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विभाग अपनी-अपनी प्रगति रिपोर्ट आयोग को समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराएं।

नत्थू लाल सचान के आदर्शों और सिद्धांतों पर लड़ेंगे अधिवक्ता पेंशन की लड़ाई: पं रवीन्द्र शर्मा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अधिवक्ता कल्याण संघर्ष समिति के कचहरी कार्यालय में स्व नत्थू लाल सचान का परि निर्वाण दिवस मनाया गया। इस मौके पर पं रवीन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष लॉयर्स एसोसिएशन ने उनके चित्र पर माल्यार्पण करते हुए कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता स्व नत्थू लाल सचान प्रख्यात समाज सेवी थे और लायर्स एसोसिएशन में उपाध्यक्ष रहे। स्व नत्थू लाल सचान के साथ हम लोगों ने अधिवक्ता सामूहिक बीमा की राशि बढ़ाये जाने हेतु वर्षों संघर्ष किया था जो सफल हुआ और वर्ष 2014 में दिवंगत अधिवक्ताओं के परिजनों को मिलने वाली बीमा राशि 5 00 000 हुई जिसका वितरण भी हो रहा है।

उन्होंने कहा था कि आंदोलनों में हिंसा का कोई स्थान नहीं होता। हमें संविधान प्रदत्त अधिकारों के तहत निरंतर संघर्ष कर अधिवक्ता कल्याण की नई नई योजनाएं लागू करानी होगी। प्रमुख रूप से कैलाश सचान, राम नवल कुशवाहा, कोषाध्यक्ष पंकज दीक्षित, संयुक्त मंत्री बार एसोसिएशन शिवम गंगवार, संजीव कपूर, राकेश, सिद्धार्थ, आयुष शुक्ला, के जी त्रिपाठी, संजय द्विवेदी, अभिषेक श्रीवास्तव, साजिद खान, इंद्रेश मिश्रा, वीर जोशी आदि रहे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' थीम पर साइबर सिक्योरिटी जनजागरूकता कार्यक्रम

कानपुर। कानपुर कन्या इंटर कॉलेज, किदवई नगर में मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' विषय पर आधारित साइबर सिक्योरिटी जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिला कल्याण विभाग हब टीम द्वारा कॉलेज की प्रधानाचार्या के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित बालिकाओं को साइबर सुरक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) तथा निराश्रित महिला पेंशन योजना जैसी विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी अवगत कराया गया।इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को महिला सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098 एवं 112 की जानकारी देते हुए जागरूक किया गया ताकि आवश्यकता पड़ने पर वे इनका सही उपयोग कर सकें। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर सशक्त, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाना रहा। इस अवसर पर महिला कल्याण विभाग हब से जिला मिशन समन्वयक ङ्क मोनिका यादव उपाध्याय, जेंडर स्पेशलिस्ट ङ्क शैल शुक्ला, रागनी श्रीवास्तव तथा कॉलेज की प्रधानाचार्या, अध्यापिकाएँ एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालय गोरहा ग्राम पंचायत बगदौदी बांगर का किया गया निरीक्षण

कानपुर। मुख्य विकास अधिकारी, कानपुर नगर द्वारा विकासखंड कल्याणपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत बगदौदी बांगर के प्राथमिक विद्यालय गोरहा में का औचक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के समय प्रधानाचार्य एवं सहायक अध्यापक उपस्थित थे विद्यालय मैं तैनात शिक्षको की उपस्थिति हेतु बनाए गए उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन करने पर श्रीमती मीरा, सहायक अध्यापक, मेडिकल अवकाश पर पाई गई जिसकी पुष्टि हेतु अवकाश पंजिका का भी निरीक्षण किया गया जिसमें रेफरेंस नंबर के सहित मेडिकल अवकाश अंकित पाया गया। विद्यालय परिसर में कतिपय स्थानों पर कूड़े के ढेर का निस्तारण नही किया गया था जिसका निस्तारण कराये जाने के निर्देश दिये गये।विद्यालय परिसर में बने रसोई घर के निरीक्षण के समय किचेन में माध्यान्ह भोजन की तैयारी चल रही थी, मिड-डे-मिल में प्रयोग किये जा रहे आटे एवं मसाले की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया एवं रसोइयों द्वारा निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन दिये जाने के बारे में जानकारी करने पर अवगत कराया गया मध्यान्ह भोजन निर्धारित मेन्यू के अनुसार ही बच्चों को दिया जा रहा है। इस विद्यालय में कुल 65 बच्चे पंजीकृत है जिसमें 54 निरीक्षण के समय उपस्थित पाए गए, प्रधानाध्यापिका द्वारा अवगत कराया गया कि विद्यालय में एस0आर0जी0 (स्टेट रिसोर्स पर्सन) द्वारा एक बार भी विजिट नहीं किया गया हैजिसकी पुष्टि हेतु मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर द्वारा बच्चो की शैक्षिक स्तर की गुणवत्ता के परीक्षण हेतु मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर द्वारा बच्चों से सामान्य प्रश्न पूछे गये जिनका बच्चो द्वारा संतोषजनक उत्तर दिये गये। मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर की अध्यक्षता में बिल्हौर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर ने फरियादियों द्वारा प्रस्तुत शिकायती पत्रों के निस्तारण हेतु उपस्थित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये। तहसील दिवस के अन्तर्गत विकास खण्ड परिसर में दिव्यांगजन एवं चिकित्सा विभाग के द्वारा दिव्यांगजनों हेतु मौके पर दिव्यंगता प्रमाण पत्र बनाये जाने हेतु कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में 28 दिव्यांगजनो के रजिस्ट्रेशन कराये गये एवं 16 प्रमाण पत्र मौके पर ही दिव्यांगजनों को मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर द्वारा वितरण किये गये। तहसील दिवस के दौरान विभिन्न विभागों से कुल 184 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें राजस्व विभाग की 150, विकास विभाग की 12, पुलिस विभाग की 10, लोक निर्माण विभाग की 02, विद्युत विभाग की 06 एवं चिकित्सालय, वन विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग की 01-01 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 05 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया।

कानपुर सहित आसपास जिलों में धड़ल्ले से हो रहा कोडीन युक्त कफ सिरप व नशीली दवाओं का व्यापार

» सहायक आयुक्त (औषधि) और औषधि निरीक्षक पर गिरी गाज

» सहायक आयुक्त (औषधि) व औषधि निरीक्षक को मुख्यालय से किया गया संबद्ध

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नशीली दवाओं सहित कोडीन युक्त कफ सिरप का कारोबार कानपुर शहर में अच्छी तरह से फल फूल रहा है। कानपुर शहर से नशीली दवाएं आसपास के जिलों में सप्लाई की जा रही है। जिले के औषधि विभाग के अधिकारी आंखों में पट्टी बांधे हुए हैं। वहीं दूसरे जिले के अधिकारी शहर में छापेमारी कर बड़ी मात्रा में नशीली दवाओं सहित कोडीन युक्त कफ सिरप को बड़ी मात्रा में पकड़ा है। साथ ही कुछ फर्मो पर कार्यवाही भी की गई। लेकिन विभाग की सुस्ती चाल कम नहीं हुई।

जिसके कारण औषधि आयुक्त रोशन जैकब ने कानपुर ड्रग विभाग की टीम पर भरोसा ना कर दूसरे अन्य जिलों से पांच ड्रग इंस्पेक्टर को बुलाया और कानपुर शहर आकर छापेमारी करवाई । आयुक्त ने अग्रवाल ब्रदर्स के यहां छापा मार भारी मात्रा में नशीली दवायें पकड़ी। कुछ मेडिकल स्टोर की जांच के बाद रिपोर्ट दर्ज न होने पर औषधि विभाग के अफसरों को फटकार भी लगाई। रोशन जैकब ने टीम दे साथ बिरहाना रोड स्थित अग्रवाल ब्रदर्स, कोपरगंज स्थित मेडिसना हेल्थ केयर, बिरहाना रोड स्थित वेदांस फार्मास्यूटिकल्स, कोपरगंज स्थित मोसाइको एजेंसीज के यहां छापेमारी की। वही ए एस हेल्थ केयर, बालाजी मेडिकल्स, मां दुर्गा मेडिकोज, व आर एस हेल्थ केयर पर हुई कार्रवाई की समीक्षा की।

आयुक्त रोशन जैकब ने चारों फर्मों पर दर्ज एफआईआर में एनडीपीएस की धारा को जोड़ने का निर्देश दिया। वही अग्रवाल ब्रदर्स में दावाओं के भंडारण व रखरखाव में अनियमितता मिली। कई अन्य ब्रांडों के कोडीन युक्त कफ सिरप व अन्य नारकोटिक्स श्रेणी की दवाएं पाई गई।वही मोसाइको एजेंसीज में कोडीन युक्त कफ सिरप खरीदे जाने की सूचना पर जांच की गई तो अनियमितता पाई गई जिस पर एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है।वहीं शहर में नशीली दावाओं के कारोबार पर अंकुश ना लगा पाना व काम के प्रति लापरवाही बरतना कानपुर मंडल में तैनात सहायक आयुक्त (औषधि) दिनेश कुमार तिवारी और कानपुर नगर में तैनात औषधि निरीक्षक रेखा सचान को भारी पड़ गया। औषधि सुरक्षा प्रशासन आयुक्त रोशन जैकब ने दोनों ही अधिकारियों को शहर से हटाकर मुख्यालय से संबद्ध कर दिया है। साथ ही वर्तमान कानपुर शहर में चल रही सभी कार्रवाई को पूरा करते हुए 17 नवंबर 2025 को आख्या रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।नशीली दवाओं के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला अगले दिन भी जारी रहा। सहायक आयुक्त औषधि के निर्देश पर टीम ने तीन फर्मो में छापेमारी की। जिसमे बिरहाना रोड स्थित प्रेमा मेडिकल एजेंसीज, एन ए फार्मा और जूही स्थित मासिको एजेंसी शामिल है।

खाद्य विभाग टीम ने दुकानदारों के साथ आम नागरिकों को कलर युक्त खाद्य पदार्थ न खाने के लिए किया जागरूक

» बीपीएस न्यूज

» दुकानदार कलर युक्त खाद्य पदार्थ ना बेचें

» ग्राहक कलर युक्त खाद्य पदार्थ खाने से बचें

कानपुर। सहायक आयुक्त (खाद्य) II संजय प्रताप सिंह के निर्देश पर आम जनमानस को शुद्ध व गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ, पेय पदार्थ उपलब्ध हो इस क्रम में खाद विभाग की एक टीम किदवई नगर चौराहा शांतिनिकेतन स्वीट हाउस व म्यूजिकल फाउंटेन पार्क के पास चलती फिरती टेस्टिंग लैब के साथ पहुंची। आसपास के दुकानदारों के साथ राहगीरों को रोक कर जागरूक किया। कई दुकान, ठेलों, प्रतिष्ठानों से अलग-अलग सैंपल लिए। और सभी के सामने सैंपल टेस्ट किया।

खाद्य सुरछा अधिकारी डी.पी. सिंह ने दुकानदारों को चेताया कि खाद्य पदार्थ में आर्टिफिशियल कलर मत यूज करें। अगर आपको खाद पदार्थ में कलर डालना है तो नेचुरल कलर का ही प्रयोग करें। नेचुरल कलर जैसे ब्लूबेरी, चुकंदर रस, गाजर रस, पालक रस, हल्दी इत्यादि का इस्तेमाल कर सकते हैं। राहगीरों को बताया कि आप लोग कलर युक्त खाद्य पदार्थ खाने से बचें। क्योंकि कलर युक्त खाद्य पदार्थ में कोई स्वाद नहीं आता है बल्कि उसको खाने से कैंसर जैसी घातक बीमारी हो सकती है।

दुकानदारों से कहा आज आपको जागरूक किया जा रहा है की खाद्य पदार्थ में कलर डालना बंद कर दें अन्यथा आगे कार्रवाई के लिए तैयार रहें। साथ ही जिसने अपने प्रतिष्ठान या दुकान का लाइसेंस न बनवाया हो वह अपना लाइसेंस बनवा ले। उपस्थित दुकानदारों ने आश्वासन दिया कि आगे से खाद्य पदार्थों में कलर नहीं मिलायेंगे।

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने की औचक निरीक्षण एवं छापेमारी

» निरीक्षण के दौरान मिली अनियमितता पर दी कार्रवाई के आदेश

» NDPS एवं BNS में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

» बीपीएस न्यूज

कानपुर/लखनऊ। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ. रोशन जैकब ने मंगलवार को औषधि निरीक्षण दल के साथ कानपुर नगर मे औचक निरीक्षण एवं छापेमारी की गई। औचक निरीक्षण एवं छापेमारी में कानपुर के Agarwal Brothers (विनोद अग्रवाल एवं शिवम अग्रवाल) की औषधि गोदाम एवं होलसेल डीलरशिप पर की गई जांच में भारी मात्रा में कोडीन युक्त कफ सिरप एवं ट्रामाडोल टैबलेट्स बरामद की गई हैं, जिनकी बिक्री एवं वितरण का कोई अभिलेख उपलब्ध नहीं था। जांच के दौरान गोदाम में बड़ी मात्रा में एक्सपायर्ड दवाएं भी पाई गईं।

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने इस अनियमितता पर संबंधित औषधि विक्रेताओं के विरुद्ध NDPS Act एवं Bharatiya Nyay Sanhita (BNS) के अंतर्गत एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की अवैध औषधीय गतिविधियों से समाज में नशे की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है, जिसे किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विवाह समारोह के दृष्टिगत सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया गोष्ठी का आयोजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आगामी मांगलिक कार्यों एवं विवाह समारोहों के दृष्टिगत सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में बैंड एवं डीजे साउंड प्रबंधकगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान किए गए ताकि आगामी विवाह सत्र के दौरान शहर में यातायात सुचारू रूप से संचालित हो सके।

मुख्य दिशा-निर्देश:-लाइटिंग वाहनों की आवाजाही- डीजे/बैंड की लाइटिंग एवं साउंड वाहन सड़क पर 2/3 लेन खाली छोड़कर केवल एक ही लेन (1/3) में चलेंगे, ताकि यातायात बाधित न हो।

बैंड/डीजे कर्मियों के संबंध में दिशा-निर्देश:

बैंड संचालक प्रबंधकगण अपने सभी लाइटिंग एवं साउंड संचालन में लगे कर्मियों को यातायात नियमों एवं शासन की गाइडलाइन के संबंध में पूर्व में ब्रीफ (अवगत) कराएँगे।

आपातकालीन वाहनों को प्राथमिकता:

बैंड डीजे वाहन चलते समय इमरजेंसी वाहनों (एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, पुलिस आदि) को तुरंत रास्ता दिया जाएगा।

वाहनों की वैधता-डीजे एवं बैंड के सभी वाहन शासन द्वारा निर्धारित मानकों एवं नियमों के अनुरूप होने चाहिए। जो वाहन नियमों के अनुसार होंगे, उन्हें अनावश्यक रूप से पुलिस द्वारा परेशान नहीं किया जाएगा।

साउंड एवं समय का पालन:डीजे एवं बैंड संचालन में माननीय सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) द्वारा निर्धारित ध्वनि सीमा एवं समय सीमा का कड़ाई से पालन किया जाएगा। सभी नागरिकों से अपील की जाती है कि वे यातायात नियमों का पालन करें एवं किसी भी असुविधा की स्थिति में ट्रैफिक कण्ट्रोल / हेल्पलाइन नंबर । ट्रैफिक कंट्रोल रूम- 9305104340, ट्रैफिक हेल्पलाइन नंबर- 9305104387 पर संपर्क करें।

बाबा बड़े दयालू हैं ओम नमः शिवायः बाबा बड़े दयालू हैं

बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स

हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।

(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)

24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवई नगर कानपुर (मोबाइल:-9839625941)

साँई पेपर कप ग्लास मैन्यूफैक्चर

महेंद्र पटेल
प्रबंधक

माधुरी पटेल
डायरेक्टर

पेपर ग्लास – 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें

9919772233 7985401046

पता:- प्लाट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर

Jai Ambey Traders

ARUN KUMAR ASTHANA
arunasthana32@gmail.com

CARE-TEX
OUR MISSION IS PATIENT CARE

ORDER ONLINE ON amazon

7705800400, 9415728160, 9936442547 | 0512-23567401

Head Office: 19/174, Patkapur, Kanpur
Branch Office: 59/88, Shukla Market, Kanpur

Sahu Ji Maharaj Restaurant

राजसी ठाट देसी अंदाज़

Since:1992

638 Y-1 ब्लाक किदवई नगर
(निकट दासू कुआं चौराहा . नौबस्ता कानपुर)

M: 8303637506
9792526852

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्टा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।